उप्र विस चुनाव-तीसरे चरण में करीब 60 फीसदी मतदान, अखिलेश सहित कई दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में हुआ कैद -यूपी में 57.58 तो पंजाब में 63.44 प्रतिशत मतदान


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 70 दिनांक: 21-02-2022 सोमवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

अखिलेश यादव सरकार के दौरान 2013 में सात जिलों में आतंकी हमले से जुड़े 14 केस एक साथ वापस लिए गए थे। ऐसे में आतंकी हमले के आरोपितों के प्रति सपा द्वारा साफ्ट कार्नर अपनाने का भाजपा का आरोप निराधार नजर नहीं आते हैं...

## उप्र विस चुनाव-तीसरे चरण में करीब 60 फीसदी मतदान, अखिलेश सहित कई दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में हुआ कैद

लखनऊ ( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत राज्य के 16 जिलों की 59 विधानसभा सीटों के लिये रविवार को छिटपुट शिकायतों के बीच शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ। इस दौरान करीब 60 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि चुनाव आयोग अभी अनन्तिम आंकड़ो की प्रतीक्षा कर रहा है। बावजूद इसके सबसे अधिक मतदान ललितपुर जिले में करीब 69 प्रतिशत हुआ जबकि सबसे कम मतदान कानपुर नगर जिले में 51 प्रतिशत हुआ। मतदान के साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह यादव, केन्द्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल सहित तमाम दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया।

निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, तीसरे चरण में औसतन 35.88 प्रतिशत मतदान हुआ। तीसरे चरण में प्रदेश में 16 जिलों के कुल 59 विधानसभा क्षेत्रों में 627 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनमें से 97 महिला प्रत्याशी हैं। मतदान के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया गया। मतदान शांतिपूर्ण रहा और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि कई स्थानों पर ईवीएम खराब होने, मतदाता सूची में नाम ना होने, मतदान किए बिना ही वोट पड़ जाने, ईवीएम में समाजवादी पार्टी का चुनाव निशान न होने तथा मतदान से रोकने की छिटपुट शिकायतें भी मिलीं। जिन्हें निर्वाचन आयोग ने तत्परता दिखाते हुए शिकायतों का निस्तारण कराया।

आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, तीसरे चरण में राज्य के हाथरस जिले में 60.07 प्रतिशत, फिरोजाबाद में 59, कासगंज में 61, एटा में 64.31, मैनपुरी में 61.08, फर्रुखाबाद में 56, कन्नौज में 61, इटावा में 59.56, औरैया में 58.12, कानपुर देहात में 60.43 ), कानपुर नगर में 51, जालौन में 55, झांसी में 58.26, ललितपुर में 69.10, हमीरपुर में 60.15, और महोबा में औसतन 63 प्रतिशत मतदान हुआ। इन जिलों में शुक्रवार शाम को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया था।

तीसरे चरण में कुल दो करोड़ 16 लाख मतदाता हैं। इनमें एक करोड़ 16 लाख से अधिक पुरुष मतदाता, 99 लाख से ज्यादा महिला मतदाता और एक हजार से अधिक ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। आयोग के अनुसार, तीसरे चरण के चुनाव में कुल 25,794 मतदेय स्थल तथा 15,557 मतदान केन्द्र बनाये गये और कोविड-19 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग ने हर मतदेय स्थल पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,250 तक रखने के निर्देश दिये गये थे।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और अखिलेश की पत्नी एवं पूर्व सांसद डिंपल यादव ने इटावा जिले के अपने पैतृक गांव सैफई में मतदान किया। मुलायम सिंह यादव व्हील चेयर पर मतदान केंद्र पर पहुंचे। तीसरे चरण में मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा सीट भी शामिल है, जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) से केंद्रीय मंत्री प्रोफेसर एस पी सिंह बघेल और मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ( सपा ) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आमने-सामने हैं। अखिलेश मैनपुरी जिले के करहल क्षेत्र से पहली बार विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 2017 में भाजपा की लहर में भी सपा के सोबरन सिंह यादव ने इस सीट पर अपनी जीत बरकरार रखी थी। अखिलेश के चाचा शिवपाल सिंह यादव अपनी पारंपरिक जसवंतनगर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

मतदान के दौरान झांसी की गरौठा विधानसभा के मोंठ क्षेत्र में जन शिकायतों के अनुसार दो घंटे विलंब से मतदान शुरू हुआ, परंतु इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को न देकर लापरवाही बरतने वाले सेक्टर मजिस्ट्रेट के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उधर, एटा जिले की अलीगंज मारहरा विधानसभा क्षेत्र में 10 लोग फर्जी मतदान करते हुए गिरफ्तार किये गये हैं। समाजवादी पार्टी ने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में फिरोजाबाद जिले की शिकोहाबाद सीट पर भाजपा कार्यकर्ता द्वारा सपा के एजेंट की पिटाई का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, 'फिरोजाबाद जिले की शिकोहाबाद विधानसभा के बूथ नंबर 158 पर पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के एजेंट को मारा पीटा जा रहा है, भाजपा के लोगों के द्वारा।' सपा ने निर्वाचन आयोग से मामले का संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की है।

इसके अलावा समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि फर्रुखाबाद की 193 अमृतपुर विधानसभा के बूथ नंबर 38 पर ईवीएम पर साइकिल चुनाव चिन्ह नहीं है। पार्टी ने चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से इसपर संज्ञान लेने की अपील की है। इसके अलावा पार्टी ने बीजेपी प्रत्याशी और कैबिनेट मंत्री एसपी बघेल पर पोलिंग पार्टियों को धमकाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'मैनपुरी जिले की विधानसभा करहल 110 बूथ संख्या 319, 320 पर बीजेपी प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल पोलिंग पार्टियों को धमका रहे हैं। बेहद गंभीर मामला है चुनाव आयोग और जिला प्रशासन कृपया संज्ञान लेकर निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव कराने की कृपा करें।'

वहीं कानपुर महानगर में मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल से सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के आरोप में कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय और भारतीय जनता पार्टी की युवा शाखा के पूर्व पदाधिकारी नवाब सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जाता है कि कानपुर की महापौर प्रमिला पांडे हडसन स्कूल में मतदान केंद्र के अंदर अपना मोबाइल फोन लेकर गईं और मताधिकार का प्रयोग करते हुए एक सेल्फी ली, जिसके बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि कानपुर की महापौर ने ऐसा करके चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन किया है। चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा रखी है।

## सोनीपत में 4 खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार, एके-47 समेत बड़ी संख्या में हथियार बरामद

चंडीगढ़ ( ईएमएस )। हरियाणा पुलिस की अपराध जांच एजेंसी ( सीआईए ) ने सोनीपत जिले में 'खालिस्तान' आतंकवादी ग्रुप से जुड़े होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। ये सभी हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले हैं। इनके पास से एक ऑटोमेटिक एके-47, चार विदेशी पिस्टल, एक देशी पिस्टल और 56 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील उर्फ पहलवान, जतिन और सागर उर्फ बिन्नी निवासी जूना और सुरेंद्र उर्फ सोनू निवासी मलहमाजरा हाल सोनीपत के राजपुर निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये चारों पंजाब और अन्य स्थानों पर निशाना बनाकर हत्याएं करने की योजना बना रहे थे। ये आरोपी सोशल मीडिया के जरिए खालिस्तान टाइगर फोर्स और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के संपर्क में थे।

सोनीपत पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा ने बताया हरियाणा पुलिस को पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियों से संदिग्धों के बारे में कुछ जानकारी मिली थी, जो सोनीपत के रहने वाले हैं और उनका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थक आतंकवादी समूह इन लोगों का इस्तेमाल कर पंजाब और अन्य जगहों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देना चाहते थे।

हरियाणा पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए की टीम को सागर के खालिस्तानी आतंकवादियों से संबंध और उसके घर पर भारी मात्रा में अवैध हथियारों की मौजूदगी के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम हरकत में आई और आरोपियों को सोनीपत जिले के जुआन गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मोहना थाने में अवैध गतिविधियों व आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## मतदान के दौरान खूनी संघर्ष...झांसी में सपा-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प, कई घायल

-यूपी में 57.58 तो पंजाब में 63.44 प्रतिशत मतदान

लखनऊ/चंडीगढ़ ( ईएमएस ) । उत्तर प्रदेश में थर्ड फेज की 59 और पंजाब की सभी 117 सीटों पर रविवार को मतदान संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश की 16 जिलों की 59 सीटों पर 57.58 प्रतिशत वोट डाले गए हैं। वहीं पंजाब में 63.44 प्रतिशत मतदान हुआ है। उत्तर प्रदेश में शुरुआती घंटों में वोटर्स का जोश हाई रहा। बुजुर्ग और दिव्यांग भी अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करने पहुंचे। दुल्हनें भी बूथ पर दिखीं, जो विदा होने से पहले वोट डालने आईं। मुलायम सिंह व्हील चेयर पर वोट डालने आए। मुलायम के भाई 78 साल के अभय राम बाइक से वोट डालने पहुंचे। अखिलेश और डिंपल ने पूरी फैमिली के साथ सैफई में वोट डाला।

कुछ जगहों पर छिटपुट झड़प, ईवीएम की शिकायतें भी मिली हैं। झांसी की बबीना विधानसभा के सिमथरी गांव में सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हो गई। विवाद एक महिला के वोट को लेकर हुआ। बताया जा रहा है कि उसका आईडी कार्ड मायके पक्ष के पास था। इसी पर भाजपा और सपा के कार्यकर्ताओं में लाठी-डंडे चले। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को गंभीर चोटें आईं।

पंजाब में 117 विधानसभा सीटों पर मतदान पूरा हो गया है। यहां 63.44 प्रतिशत मतदान हुआ है। राज्य के 5 जिले ऐसे रहे हैं, जहां वोटर्स ने मतदान में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। इनमें मतदान 60 प्रतिशत का आंकड़ा भी नहीं छू सका। हालांकि राज्य में 5 जिले ऐसे भी रहे, जिनमें मतदान 70 प्रतिशत के भी पार पहुंच गया। इनमें सबसे ज्यादा 73.45 प्रतिशत मतदान मानसा में हुआ है, जबकि मोहाली ( साहिबाजादा अजीत सिंह नगर ) में राज्य में सबसे कम 53.10 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है।

उधर, नवजोत सिद्धू और बिक्रम सिंह मजीठिया जैसे दिग्गजों के बीच कड़ी फाइट वाली अमृतसर ईस्ट सीट पर वोटर शुरुआत में दोनों में से किसी को वोट देने के मूड में दिखाई नहीं दिया। यहां सुबह 9 बजे तक महज महज 1.10 प्रतिशत और 11 बजे तक 7.10 प्रतिशत मतदान ही हुआ था। इसके बाद 1 बजे तक थोड़े मतदाता बढ़े और पोल परसंटेज बढ़कर 18.60 प्रतिशत हो गया। सियासी पंडितों मान रहे थे कि वोटर दोनों में से किसी को भी नाराज नहीं करना चाहता है। इसी कारण उसने वोट डालने के बजाए घर पर बैठना ज्यादा सही माना है।

### कार्टून कोना

## यमन में सेना के साथ संघर्ष में 156 हूती लड़ाके ढेर

सना ( ईएमएस )। अस्थिता से जूझ रहे यमन के पूर्वोत्तर प्रांत हजा में सेना के साथ संघर्ष में विगत दो दिनों के दौरान कम से कम 156 हाउती आतंकवादी मारे गये। सैन्य सूत्रों के अनुसार, सऊदी अरब की सीमा से लगे हराद शहर और उसके पास के अब्स जिले में सेना और आंतकवादियों के बीच झड़प हुई। सूत्रों ने बताया कि हरद में शुक्रवार को कम से कम 106 आतंकवादी मारे गये। गठबंधन सेना के हमलों में हाउती आतंकवादियों के कई वाहन भी ध्वस्त हो गये। हाउती आतंकवादियों ने सेना को हरद शहर के बाहर कुछ दिनों पहले ही खदेड़ दिया था। उस वक्त 60 से अधिक सेना मारे गये थे और 140 अन्य घायल हो गये थे। अब्द जिले में सऊदी अरब की अगुवाई वाली गठबंधन सेना के युद्धक विमानों के सहयोग से यमन की सेना ने 17 फरवरी को हाउती आतंकवादियों को पीछे ढ़केल दिया था।

आतंकवादी यमन सेना के अड्डों की ओर बढ़ रहे थे। इस घटना में 50 आतंकवादी मारे गये थे और कई अन्य घायल हो गये थे। सेना ने साथ ही 10 बमवर्षक ड्रोन को भी उड़ाया था। गौरतलब है कि यमन में 2014 से ही गृह युद्ध की स्थिति बनी हुई है। ईरान के समर्थन से हाउती आतंकवादी ने कई पूर्वोत्तर प्रांतों पर कब्जा कर लिया है और सऊदी अरब से समर्थन प्राप्त यमन के राष्ट्रपति अब्द रब्बू मंसूर हादी को राजधानी सना से बाहर कर दिया है।

## वनडे के बाद टी-20 में भी वेस्टइंडीज का क्लीन स्वीप, टीम इंडिया आखिरी मैच 17 रनों से जीती

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को रविवार को कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में 17 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही मेहमान टीम का सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप हो गया। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम वनडे सीरीज भी 3-0 से हारी थी। तीसरे टी- 20 में वेस्टइंडीज ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए। वेस्टइंडीज को 185 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 167 रन ही बना सकी।

विंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही पहले ही ओवर में टीम को झटका लगा। दीपक चाहर ने काइल मेयर्स को 6 रन पर आउट कर दिया। दूसरा झटका तीसरे ओवर में लगा। शाई होप 8 रन बनाकर दीपक चाहर की गेंद पर आउट हुए। सातवें ओवर में टीम को तीसरा झटका लगा। रोवमन पावेल को 25 रन पर हर्षल पटेल ने पवेलियन भेजा। कीरोन पोलार्ड को पांच रन पर आउट करके वेंकटेश अय्यर ने चौथा झटका दिया। जेसन होल्डर को वेंकटेश अय्यर ने दो रन पर आउट करके विंडीज को पांचवां झटका दिया। 12 रन पर रस्टन चेज को आउट करके हर्षल पटेल ने विंडीज को छठा झटका दिया। निकोलस पूरन 61 रन पर आउट करके शार्दुल ठाकुर ने विंडीज को सातवां झटका दिया। रोमेरियो शेफर्ड को आउट करके हर्षल पटेल ने विंडीज को आठवां झटका दिया। डोमिनिक ड्रेक्स को चार रन पर आउट करके शार्दुल ठाकुर ने विंडीज को नौवां झटका दिया। फैबियन एलन पांच और हेडन वाल्श 0 रन पर नाबाद रहे।

ईशान किशन और रितुराज गायकवाड़ की जोड़ी ओपनिंग करने उतरी। टीम इंडिया को पहला झटका तीसरे ओवर में लगा। जेसन होल्डर ने गायकवाड़ को 4 रन पर पवेलियन भेजा। टीम इंडिया को दूसरा झटका 9वें ओवर में लगा। हेडन वाल्श ( जूनियर ) ने उन्हें 25 रन पर आउट किया। 10 वें ओवर में टीम को तीसरा झटका रस्टन चेज ने दिया। ईशान किशन 34 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा के तौर पर चौथे झटका लगा। वह 7 रन बनाकर डोमिनिक ड्रेक्स की गेंद पर आउट हुए। सूर्यकुमार यादव 65 रन बनाकर पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुए और वेंकटेश अय्यर 35 रन बनाकर नाबाद रहे।

## पश्चिमी विक्षोभ से हो सकती है उत्तर भारत में बारिश - मौसम विभाग

-बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवात

नई दिल्ली ( ईएमएस )। ठंड के असर के कम होने के साथ अब एक फिर मौसम में बदलाव के संकेत भारत के मौसम विज्ञान विभाग ( आईएमडी ) दिए हैं। खबरों के मुताबिक 19-22 फरवरी के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 20 तारीख को ओडिशा में और 20-22 फरवरी के दौरान पश्चिम बंगाल के गंगा नदी के इलाकों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे अंडमान सागर पर चक्रवाती हवाओं का एक क्षेत्र बना हुआ है। जिसके कारण इससे करीब के इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर भारत में 22 फरवरी के बाद से बारिश होने की संभावना बन रही है। क्योंकि 22 फरवरी से पश्चिमी हिमालय के पास एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है। इसके कारण देश के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि देश के ज्यादातर हिस्सों में अगले हफ्ते के दौरान न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। जबकि उत्तर पश्चिमी भारत के अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ भारी वर्षा होती रही। इसके अलावा पूर्वोत्तर राजस्थान, मध्य प्रदेश के दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों, हरियाणा के कुछ हिस्सों में हल्की और छिटपुट बरसात हुई। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, छत्तीसगढ़ और तटीय तमिलनाडु में छिटपुट और हल्की बरसात देखी गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अंडमान और निकोबार में अगले कुछ समय में बारिश में गिरवट आ सकती है। देश के पूर्वोत्तर के राज्य अरुणाचल प्रदेश में भी हल्की से मध्यम बारिश और बर्फ गिरने की संभावना जताई गई है। देश के दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु और केरल में भी अलग-अलग जगहों पर छिपुट बारिश के आसार हैं।

## खात्में की ओर कोरोना की तीसरी लहर, 1 फीसद से भी कम पर आए एक्टिव केस, 24 घंटे में 19,968 मामले आए सामने

नई दिल्ली । देश में कोरोना संक्रमण के ग्राफ में लगातार कमी देखने को मिल रही है। कई दिनों से केसों में गिरावट के चलते अब कोरोना की तीसरी लहर खात्में की और दिख रही है। केंद्रीय स्वास्थय मंत्रालय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 19,968 नए मामले सामने आए हैं। कल के मुकाबले आज 2,302 कम केस आए हैं। पोजिटिविटी दर भी अब 1.68 फीसद पर आ गई है।

वहीं एक्टिव केस भी अब 0.52 फीसद पर आ गए हैं और कुल एक्टिव केस 2,24,187 हो गए हैं। कोरोना को मात देकर ठीक होने वाले मरीजों के आंकड़े में भी लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। 24 घंटे में 48,847 लोग ठीक होकर कोरोना को मात दे चुके हैं। अब देश में कुल 4,20,86,383 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। दूसरी ओर कोरोना से हुई मौत के मामलों में कल के मुकाबले इजाफा देखने को मिला है। 24 घंटे में 673 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। बता दें कि कल 325 लोगों की मौत हुई थी। अब तक देश में कोरोना से 5,11,903 मौतें हो चुकी है।

बता दें कि आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में भारी कमी आई है। 24 घंटे में केवल 635 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 2 लोगों की मौत हुई और 791 की रिकवरी हुई है। कोरोना के सक्रिय मामले अब 2,617 पर आ गए हैं। वहीं, केरल की बात करें तो पिछले 24 घंटे के अंदर 6,757 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 16 लोगों ने अपनी जान गंवाई है और 17,086 लोग ठीक हुए हैं।

## हरदोई में बोले, पीएम मोदी- तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को 10 मार्च को मिलेगा जवाब

-अत्याचार, आतंक और छल कितने भी ताकतवर क्यों न हो जाएं लेकिन सच्चाई के आगे टिक नहीं सकते

हरदोई ( ईएमएस )। यूपी विधानसभा के लिए रविवार को तीसरे चरण के मतदान के बाद चौथे चरण के लिए सियासी दलों का प्रचार तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी ( सपा ) पर निशान साधा। पीएम मोदी ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को 10 मार्च को जवाब मिलेगा। अत्याचार, आतंक और छल कितने भी ताकतवर क्यों न हो जाएं लेकिन सच्चाई के आगे टिक नहीं सकते हैं। 5 साल पहले माफियावादियों ने उत्तर प्रदेश का क्या हाल बना दिया था? व्यापारियों को व्यापार करने में डर लगता था। उस वक्त लोग कहते थे कि दिए भरे घर लौट आओ। हरदोई वालों ने वह दिन देखे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कट्टा और सट्टा वालों को पहले खुली छूट मिली हुई थी। हमारी माताएं बेटे और बेटियों के घर से निकलने पर डरी रहती थी कि उनके साथ कोई दुर्घटना न हो जाए। अपराधियों को घोर परिवारवादियों का पूरा संरक्षण होता था। लेकिन आज सभी का हिसाब हो रहा है। माफिया, अपराधी खुद जमानत रद्द करवाकर जेल के भीतर पहुंचे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बुरी तरह चुनाव हार रहे परिवारवादी जात-पात के नाम पर अब जहर फैलाएंगे लेकिन उत्तर प्रदेश के विकास और देश के विकास का मंत्र की याद रखना है। यह लोग कुर्सी के लिए अपने परिवार से भी लड़ जाते हैं। इसलिए घोर परिवारवादी किसी जाति या समाज के लिए भी नहीं हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार किसी एक खानदान की सरकार नहीं है। कोई यह कह सकता है क्या कि उत्तर प्रदेश में खानदान की सरकार है? दिल्ली में भारत की सरकार किसी एक खानदान की सरकार नहीं है। यह गरीब, किसान, नौजवान की सरकार है। हमने 5 साल आप लोगों ने जी-तोड़ मेहनत की है। लेकिन मुझे अफसोस है कि 2014 से लेकर 2017 के बीच उत्तर प्रदेश में इन परिवारवादियों ने एक भी काम में मेरा साथ नहीं दिया। मैं उत्तर प्रदेश का सांसद हूं, यहां के लोगों की मदद से मैं प्रधानमंत्री बन गया लेकिन मुझे लखनऊ की सरकार ने कोई काम नहीं करने दिया था। ऐसे में अगर इन लोगों की सरकार आ गई तो क्या यह लोग मुझे काम करने देंगे?

उन्होंने कहा कि घोर परिवारवादियों ने ठान लिया था कि उत्तर प्रदेश में विकास का कोई काम केंद्र सरकार को करने ही नहीं देंगे। यह लोग भीतर से इतने ज्यादा कांपते थे कि मेरे साथ किसी कार्यक्रम में मंच में शामिल नहीं होते थे और एयरपोर्ट से ही भाग जाते थे। उन लोगों को डर था कि कहीं यह कुछ पूछ लेंगे तो मैं जवाब भी नहीं दे पाऊंगा। उत्तर प्रदेश में काम साल 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद शुरू हुआ।

## चारा घोटाले से जुड़े एक मामले में लालू प्रसाद की सजा का ऐलान आज, हो सकती है सात साल तक की सजा

पटना ( ईएमएस )। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए मुश्किलें तो बढ़ ही गयी हैं लेकिन सोमवार का दिन राष्ट्रीय जनता दल ( राजद ) प्रमुख और उनके परिजनों और समर्थकों के लिए भी बेहद अहम है। डोरंडा कोषागार से अवैध तरीके से रकम निकासी मामले में दोषी ठहराए गए लालू प्रसाद यादव के लिए सीबीआई की विशेष अदालत सोमवार को सजा का ऐलान करेगी। लालू यादव चारा घोटाला के सबसे बड़े मामले में भी दोषी करार दिए गए हैं।

राजद सुप्रीमो लालू यादव पर आइपीसी की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निरोधक क़ानून-1998 की धाराओं 13( 2 ) आरडब्ल्यू ( 1 ) ( सी ), ( डी ) के अंतर्गत आरोप तय किए गए थे। सोमवार को लालू यादव को सजा सुनाई जाएगी। राजद सुप्रीमो को कितने साल की सजा हो सकती है, इसे लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं है। पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रमोद कुमार ठाकुर ने कहा लालू प्रसाद पर जिन धाराओं में दोष सिद्ध हुआ है, वे भ्रष्टाचार से जुड़ी हैं। अदालत की नजर में लालू यादव अपराधिक साजिश का हिस्सा रहे हैं। अदालत ने माना है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव इस अवैध निकासी की साजिश में भागीदार रहे हैं। जिस समय यह साजिश की गई उस समय राज्य का वित्त विभाग लालू यादव के ही पास था।

उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव का दोष संज्ञेय माना गया है और इसमें उन्हें 7 साल तक की सजा हो सकती है। इसी घोटाले से जुड़े एक अन्य मामले में भी लालू प्रसाद को 7 साल की सजा हुई है। वहीं पूर्व के 4 मामलों में अलग-अलग सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में बेल मिलने की संभावना न के बराबर है।

## तेज तूफान के बीच हीथ्रो एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के पायलट से कराई सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली ( ईएमएस )। टाटा ग्रुप के हाथों में एयर इंडिया के जाते ही न केवल यात्री सुविधाओं में सुधार देखने को मिल रहा है, बल्कि आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था भी चुस्त हुई है। तूफान या मौसम खराब होने की स्थिति में, आमतौर पर, एयर इंडिया की इमरजेंसी लैंडिंग की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं, लेकिन इस बार लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर 'महाराजा' की सवारी भारी तूफानों के बीच भी बिना किसी हिचकोले के आसानी से लैंडिंग कर गई।

## चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठजोड़ पर करेंगे फैसला : मजीठिया

चंडीगढ़ ( ईएमएस )। शिरोमणि अकाली दल ( शिअद ) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद शिरोमणि अकाली दल ( शिअद ) और बहुजन समाज पार्टी ( बसपा ) गठबंधन भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) के साथ गठबंधन कर पंजाब में सरकार बनाने पर निर्णय लेगी। मजीठिया ने कहा मेरी लड़ाई पंजाब के लोगों के लिए है। अमृतसर पूर्व को विकास की जरूरत है। गरीब लोगों को कल्याणकारी योजनाएं नहीं मिलती।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पंजाब राज्य बहुत पिछड़ गया है। मुझे विश्वास है कि सच्चाई की जीत होगी और राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा हम राज्य विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठजोड़ पर फैसला करेंगे। मजीठिया ने जनवरी में दो सीटों मजीठा और अमृतसर पूर्व से अपना नामांकन दाखिल किया था, अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के सामने हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शिअद नेता ने कहा, अहंकार हार जाएगा। लोगों ने कांग्रेस को पांच साल तक देखा है लेकिन उसने राज्य में कोई काम नहीं किया।

अकाली दल के नेता गुरबचन सिंह ने भी संकेत दिया है कि अगर पार्टी के पास संख्या कम हुई तो वह भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। गुरबचन सिंह गुरदासपुर सीट से शिअद प्रत्याशी हैं। उन्होंने कहा, हमें जीत का भरोसा है। अकाली दल-बसपा पंजाब में अगली सरकार बनाएगी। संख्या कम होने पर पार्टी भाजपा का समर्थन लेने का फैसला करेगी। गुरबचन सिंह ने कहा यह संख्या पर निर्भर करता है। लेकिन कांग्रेस हमारी नंबर एक दुश्मन है।

शिअद और बहुजन समाज पार्टी ( बसपा ) ने राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया है दोनों दल 25 साल के अंतराल के बाद एक साथ आए हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बसपा ने पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से 20 पर चुनाव लड़ा है, जबकि शेष पर शिअद ने अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

## यूक्रेन की सेना और विद्रोहियों के बीच तेज हुई लड़ाई, भीषण गोलाबारी में मारे जा रहे दोनों ओर के लोग, रूस ने उठाया एक बड़ा कदम

कीव । पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी सेना और रूस समर्थित विद्रोहियों के बीच छिड़ा संघर्ष रविवार को और तेज हो गया। दोनों ओर से जारी गोलाबारी में अभी तक यूक्रेन के दो सैनिक मारे गए हैं और चार सैनिक घायल हुए हैं। विद्रोही नेताओं ने दावा किया है कि यूक्रेन के सेना के हमले में कब्जे वाले इलाके में दो नागरिक मारे गए हैं। इन इलाकों से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का रूस के सुरक्षित इलाकों में जाना जारी है। पता चला है कि विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले सात लाख लोगों के लिए रूस ने पासपोर्ट जारी कर उन्हें औपचारिक रूप से अपना नागरिक बना लिया है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने पूर्वी यूक्रेन में छिड़े संघर्ष, बेलारूस और काला सागर में चल रहे युद्धाभ्यास और परमाणु हमले के अभ्यास को रूस के तनाव बढ़ाने वाले कदम कहा है। कहा है कि इनके जरिये रूस यूक्रेन पर हमले का बहाना गढ़ रहा है।

किसी भी दिन वह यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह में रूसी हमले का अंदेशा जताया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने कहा है कि रूसी सैनिक यूक्रेन की सीमा के और करीब आ गए हैं और वे अपने हथियारों के साथ मोर्चेबंदी कर रहे हैं। उनकी तैयारियां हमले से ठीक पहले वाली हैं। यूक्रेन की सेना और रूस समर्थित विद्रोहियों के बीच छिड़े संघर्ष में तीन दिनों में संघर्षविराम उल्लंघन की दो हजार घटनाएं दर्ज की गई हैं। विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके और शेष यूक्रेन के बीच नियुक्त पर्यवेक्षक दल ने ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। पूर्वी यूक्रेन में दोनों के बीच 2014 से लड़ाई छिड़ी हुई है लेकिन ताजा संघर्ष पिछले सात साल में सबसे भीषण है। इस बीच यूक्रेन ने विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को जाने वाले सात र

## जन हितैषी

# पूर्वी यूरोप में तनाव

यूक्रेन की सीमाओं पर रूस की सेना की तैनाती के चलते लगातार पूर्वी यूरोप में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस ने अपने सवा लाख सैनिकों की तैनाती को लेकर कहा है कि उसने अब उन्हें वापस बुलाना शुरू कर दिया है, लेकिन अमेरिका और नाटो देश इस बात पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। ऐसे में यूक्रेन में लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूक्रेन यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा देश है और उसका किसी भी पाले में जाना उस पक्ष को मजबूत करेगा। ऐसे में यूक्रेन बेहद अहम है और आने वाले दिनों में वैश्विक राजनीति के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। खासतौर पर रूस के लिए यूक्रेन बेहद अहम हो गया है। रूस आने वाले दिनों में महाशक्ति बनेगा या फिर महज एक देश ही रह जाएगा। इसका फैसला यूक्रेन विवाद करने की ताकत रखता है। सोवियत संघ का हिस्सा रहे लिथुआनिया, लाटविया समेत रूस के कई पड़ोसी देशों को अमेरिका ने नाटो में शामिल कर लिया है। इसे रूस की घेरेबंदी के तौर पर देखा जाता है। इन देशों में पोलैंड, नॉर्वे, एस्टोनिया भी शामिल हैं। अब अमेरिका की नजर यूक्रेन को नाटो में शामिल करने पर है। इसी पर रूस को आपत्ति है और वह किसी भी तरह के युद्ध को टालने के लिए अमेरिका से यह गारंटी चाहता है कि वह यूक्रेन को नाटो में शामिल न करे। पिछले दिनों व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के विघटन को दुखद करार दिया था। उनकी महत्वाकांक्षा यूक्रेन को रूस में शामिल करने की है। यदि ऐसा होता है तो रूस एक महाशक्ति के तौर पर उभरेगा, जो शीत युद्ध से पहले हुआ करता था। यदि यूक्रेन नाटो में जाता है तो फिर रूस के लिए बड़ा झटका होगा। यूक्रेन को दो हिस्सों पश्चिम और पूर्व में बांटकर देखा जाता रहा है। इसमें पूर्वी यूक्रेन पर रूस का बड़ा प्रभाव है और उसकी भाषा को समझने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। यहां रूसी मूल के लोग अकसर यूक्रेन के खिलाफ विद्रोह करते रहे हैं। यही वजह है कि एक तरफ रूस की सेना यूक्रेन की सीमा पर डटी हैं तो वहीं अंदर से भी वह मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन को रूस से अलग कर पाना पश्चिमी देशों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा यूक्रेन की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, जिसे रूस और कमजोर करने की कोशिश में जुटा है। अमेरिका ने पिछले दिनों इस मसले को लेकर चीन पर भी निशाना साधा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन के दौरे पर भी गए थे। दरअसल दोनों देशों के बीच बीते कई सालों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं और कारोबार भी तेजी से बढ़े हैं। रूस अपने सामान का बड़ी मात्रा में यूरोपीय देशों को निर्यात करता है। यदि युद्ध होने की स्थिति में यूरोपीय देश उस पर बैन लगाते हैं तो फिर चीन के साथ वह कारोबार को बढ़ाकर इसकी भरपाई कर सकता है। यही वजह है कि चीन लगातार रूस के पाले में खड़ा नजर आ रहा है। इसके अलावा अमेरिका से दोनों देशों के मतभेद भी साथ आने की एक बड़ी वजह हैं। पुतिन वर्षों से यूक्रेन पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हिल ने कहा, पुतिन ने 2006 में यूक्रेन को गैस काट दी। वह 22 साल से सत्ता में है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन को क्रॉस हेयर में रखा है और यह समय के साथ तेज हो गया है। पुतिन वह व्यक्ति बनना चाहते हैं, जिसने अपनी अध्यक्षता में यूक्रेन को रूस में वापस लाने का काम किया। इससे वह 2036 तक राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, जो कि उनके लिए संभव है। विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन चाहते हैं कि रूस की परिधि के सभी देश रूस समर्थक हों। यही कारण है कि यूक्रेनी सरकार की ओर से पश्चिम के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन के प्रति किए गए प्रस्तावों ने उन्हें नाराज कर दिया। सीआईए के रूसी कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख जॉन सिफर ने कहा, ठवह चाहते हैं कि उनकी विरासत अतीत के जार या सोवियत संघ के प्रमुखों की तरह हो। वह रूस को एक ऐसे स्तर पर ले जाना चाहता है, जहां विश्व मंच पर उसका डर, सम्मान और गंभीरता से व्यवहार किया जाता है।

# भारत में मुसलमान....? : वोट को 'आदाब'.... विवाद में 'हिजाब'....?

भारत प्रजातंत्र के पचहत्तर सालों में शायद पहली बार देश पर धर्म हावी होता नजर आ रहा है, एक ओर 'हिन्दुत्व' और 'हिन्दूराष्ट्र' का नारा नजर आ रहा है, तो दूसरी ओर हिजाब (नकाब) को लेकर विवाद की स्थिति पैदा की जा रही है। कुछ उद्दंड और वाचाल नेता भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की सलाह दे रहे है। भारत की मौजूदा राजनीति ने जहां पंचशील सिद्धांतों को पं. नेहरू की देन मानकर उनको भुला दिया जिसमें 'धर्म निरपेक्षता' का भी एक सिद्धांत था, वहीं अब पूरे देश में हर कहीं एक धर्म विशेष को ही महत्व देने के परिदृष्य नजर आने लगे है। अब चिंता यही है कि आखिर इस देश का भविष्य क्या होगा?

भारत में आज की स्थिति में करीब तीस प्रतिशत मुस्लिम वोटर है, जो पता नही क्यों पिछले कुछ सालों से अपने आपको उपेक्षित और असुरक्षित महसूस कर रहा है.... यही नहीं उनकी इस भावनाओं में दिनों दिन विस्तार होता नजर आ रहा है, उसका शायद एक कारण यह भी रहा हो कि उनके दिल-दिमाग में व्याप्त इस भावना का किसी भी सत्तारूढ़ राजनीति दल व उसके नेताओं ने खण्डन करने का प्रयास नहीं किया, जबकि वास्तविकता यही है कि वह अन्य धर्मावलम्बियों की तरह भारत का अहम् और जिम्मेदार नागरिक व मतदाता तो है ही? इसलिए यह आशंका भी व्यक्त की जाने लगी है कि भारत की राजनीति अब कौन सी दिशा की ओर मुखातिब होगी? खासकर यह चिंता देश में मतदान के समय ही बलवती होती है, जब देश की राजनीति दो राहे पर खड़ी नजर आती है। आज भी वही स्थिति है, जब देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। राजनीतिक दल यह अनुमान नहीं लगा पा रहे है कि मुस्लिम वोट किसकी झोली में पड़ेगा? यद्यपि इस वोट की अपेक्षा वे भी कर रहे है जो 'हिन्दूराष्ट्र' का नारा उछाल रहे है, किंतु पूर्णतः वे भी निश्चिंत नहीं है जो अभी तक मुस्लिमों के हमदर्द और उनके करीब रहने का दिखावा करते आ रहे है, यह नजारा आज उत्तरप्रदेश में साक्षात रूप से देखा जा सकता है, जहाँ मुस्लिम वोट को लेकर भाजपा व समाजवादी पार्टी में खिंचतान मची हुई है। जबकि वहां की एक-चैथाई विधानसभा का भविष्य मत पेटियों में बंद होने जा रहा है। उत्तरप्रदेश में चूंकि मुस्लिम वोटर ही सत्ता के लिए अहम् माने जाते है, ऐसे में समाजवादी पार्टी और भाजपा दोनों ही अपने अपने दावे पेश कर रहे है, यही नहीं समाजवादी पार्टी तो अपनी भावी सरकार के सपने ही इस वर्ग के वोट के आधार पर देख रही है।

चूंकि जिन पांच राज्यों पंजाब, गोवा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड और मणीपुर में विधानसभा चुनावों का दौरा-दौर चल रहा है, उन सभी में उत्तरप्रदेश को अहम् माना जा रहा है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि दिल्ली (केन्द्र) की सत्ता का रास्ता उत्तरप्रदेश से ही गुजरता है और इसीलिए इस राज्य में चुनावी गहमा-गहमी भी अन्य चुनावी राज्यों के मुकाबले ज्यादा है। ....और इसीलिए दावों-प्रतिदावों के भी परिदृष्य यहीं अधिक नजर आ रहे है।

....फिर इन पांच राज्यों के चुनावों को 2024 के लोकसभा चुनावों का 'रिहर्सल' भी माना जा रहा है, यद्यपि 2024 के लोकसभा चुनावों के पूर्व करीब डेढ़ दर्जन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होना है, लेकिन चूंकि शुरूआत इन पांच राज्यों से हो रही है, इसलिए इन पांच राज्यों के चुनावों को ही भविष्य का संकेत माना जा रहा है, शायद इसीलिए सभी राजनीतिक दलों ने अपने स्तर पर पूरा जोर उत्तरप्रदेश में लगा रखा है और साम-दाम-दण्ड-भेद हर तरह की राजनीतिक पेशकश जारी रखी गई है।

....और चूंकि इन पांचों राज्यों में मुस्लिम वोट का अपना विशेष महत्व है, इसलिए फिलहाल तो इस वर्ग के वोटर को 'पटाने' की स्पद्र्धा जारी है, चुनाव बाद इनका कौन क्या हश्र करेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

# मातृभाषा संस्कृति की परिचायक

किसी भी राष्ट्र,समाज की स्थानीय भाषा (मातृभाषा) उस समाज के संस्कृति की परिचायक ही नहीं बल्कि आर्थिक संपन्नता का आधार भी होती है। मातृभाषा का नष्ट होना राष्ट्र की प्रासंगिकता का नष्ट होना होता है। मातृभाषा को जब अर्थव्यवस्था की दृष्टि से समझने की कोशिश करते हैं तो यह अधिक प्रासंगिक और समय सापेक्ष मालूम पड़ता है। किसी भी समाज की संस्कृति समाज के खानपान और पहनावे से परिभाषित होती है, यही खानपान और पहनावा जब अर्थव्यवस्था का रूप ले लेता है तो यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित भी करती है। मातृभाषा ही किसी भी व्यक्ति के शब्द और संप्रेषण कौशल की उद्गम होती है। एक कुशल संप्रेषक अपनी मातृभाषा के प्रति उतना ही संवेदनशील होगा जितना विषय-वस्तु के प्रति। मातृभाषा व्यक्ति के संस्कारों की परिचायक है। मातृभाषा से इतर राष्ट्र के संस्कृति की संकल्पना अपूर्ण है। मातृभाषा मानव की चेतना के साथ-साथ लोकचेतना और मानवता के विकास का भी अभिलेखागार होती है।

शब्दों के अस्मिता की पड़ताल के दौरान लोक के अभिलेखागार को देखा जा सकता है। कबीर ने लिखा 'चलती चक्की देख कर, दिया कबीरा रोए, दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोए'; यहां कबीर का यह दोहा अभिलेखागार है उस लोक का जहां चक्की का अस्तित्व था। अर्थात अब घरों में चक्की भले न मिले लेकिन उसका अनुभव भाषा के माध्यम से मिल जाएगा। भाषा ही हमें बता रही होती है कि कभी हमारे घरों में चक्की हुआ करती थी जिससे अनाज पिसा जाता था।

हम लोग अपनी प्रकृति से सीखते गए, उसको अभिव्यक्ति करते गए, उसको संप्रेषित करते गए क्योंकि हमको पता था कि अपने आने वाली पीढ़ियों को अपने अनुभव देना आवश्यक है। हम द्वार पर पानी दवारते हैं, दवारना शब्द को जायसी अपनी रचना में इस्तेमाल करते हुए 'दवंगरा' कहते हैं। पहली वर्षा को भी 'दवंगरा' कहा जाता है। इस प्रकार यह सब उस समय की लोक चेतना को प्रदर्शित करता है।

आज डिफेंस और डिजास्टर के समझ को लेकर जनजातियों की प्रासंगिकता उनकी मातृभाषा के कारण ही है। अंडमान निकोबार के जारवा जनजाति की अपनी डिजास्टर संचार व्यवस्था रही होगी क्योंकि सुनामी तो हजार सालों में एक बार आती होगी लेकिन उनकी अपनी मातृभाषा के कारण संचार व्यवस्था संरक्षित रही। यहां अगर उनकी मातृभाषा बदल दी गई होती तो उनका ज्ञान भी मिट गया होता। यही कारण है कि डिजास्टर मैनेजमेंट का 'लाइफ फ्लेम वन 2016' स्थानीय ज्ञान के महत्व की बात करता है, जो स्थानीय भाषा से ही संभव है।

विचार कीजिए कि अगर अमेरिका गया भारतवासी अपने किचन में अपनी भाषा प्रयोग में लाता तो उसका पोहा भी प्रयोग में आता है और जब पोहा प्रयोग में आता तो उसको बनाने वाले कारीगर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से बुलाते जाते, उन्हें रोजगार मिलता, रोजगार मिलने से वह संपन्न होते और कारीगर संपन्न होते तो देश और समाज भी संपन्न होता।

भाषा का जटिल और आसान होना उसके प्रयोग पर निर्भर करता है। जिन घरों में माता जी और पिता जी के स्थान पर मॉम और डैड जैसे शब्द प्रयोग हो रहे हैं वहां माताजी और पिताजी ज्यादा कठिन प्रतीत होने लगता है। यह भाषा के प्रयोग और परिणाम का स्पष्ट संकेत है। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने लिखा है-'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल'।

अर्थात मातृभाषा के बिना किसी भी प्रकार की उन्नति संभव नहीं है। भारतेंदु जब यह कविता लिख रहे हैं तो वह सिर्फ कवि नहीं बल्कि नवजागरण के चिंतक भी हैं। नवजागरण मतलब समाज को नए तरीके से जगाने की प्रक्रिया। भारतेंदु उस समय के भारत को जगाने का प्रयास कर रहे थे, जो सोया हुआ था। देश को जगाने की चिंता में उनको 'निज भाषा की', मातृभाषा की चिंता हो रही थी क्योंकि मातृभाषा ही उनकी अस्मिता है, उनके पूर्वजों का अनुभव है। इसलिए राष्ट्र का निर्माण बिना मातृभाषा के संभव नहीं हो सकता।

भारतीय नवजागरण की चिंता में भाषा की चिंता पहली चिंता थी। यह चिंता केवल भारतेंदु की नहीं थी बल्कि राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, तिलक और दयानंद सरस्वती की भी थी। दयानंद सरस्वती के सत्यार्थ प्रकाश का 10वां नियम ही 'हिंदी भाषा को बढ़ावा दिया जाए' पर आधारित है। जिस भी देश में नवजागरण का आह्वान किया गया है उस देश में भाषा के संरक्षण की बात कही गई है। बिना मातृभाषा के आप अपने अनुभव को, अपनी अस्मिता को सुरक्षित नहीं कर सकते।

अतः मातृभाषा के महत्व को इस रूप में समझ सकते हैं कि अगर हमको पालने वाली, 'माँ' होती है; तो हमारी भाषा भी हमारी माँ है। हमको पालने का कार्य हमारी मातृभाषा करती है इसलिए इसे 'मां' और 'मातृभूमि' के बराबर दर्जा दिया गया है। (लेखक- भूपेंद्र कुमार सुल्लेरे / ईएमएस)

# तेजसः लाइक ए डायमंड इन द स्काई

15 से 18 फरवरी तक आयोजित सिंगापुर एयर शो के पहले ही दिन स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस ने लो-लेवल एयरोबैटिक्स डिस्प्ले में हिस्सा लेकर सिंगापुर के आसमान में गर्जना करते हुए अपनी कलाबाजियों से न सिर्फ तमाम लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया बल्कि अपने पराक्रम और मारक क्षमता की पूरी दुनिया के समक्ष अद्भुत मिसाल भी पेश की। सिंगापुर के आसमान में कलाबाजियां करते तेजस की तस्वीरें भारतीय वायुसेना द्वारा 'लाइक ए डायमंड इन द स्काई' लिखकर ट्वीट की गई। गौरतलब है कि सिंगापुर एयरशो हर दो साल में एक बार आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर के फाइटर जेट्स हिस्सा लेते हैं। यह एयर शो एविएशन इंडस्ट्री के लिए पूरी दुनिया को अपने एयरक्राफ्ट दिखाने का बेहतरीन अवसर होता है और विश्वभर की विमानन कम्पनियां इसके जरिये अपने उत्पादों की मार्केटिंग करती हैं। एयर शो में भारत द्वारा भी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी 'तेजस' की मार्केटिंग पर जोर दिया गया। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस के अलावा यूनाइटेड स्टेट्स एयरफोर्स, यूनाइटेड स्टेट्स मरीन कॉर्प्स, इंडोनेशियाई वायुसेना की जुपिटर एयरोबैटिक टीम, रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयरफोर्स इत्यादि की विशेष भागीदारी रही। सिंगापुर एयरशो 2022 में शामिल होने के लिए वायुसेना का 44 सदस्यों का एक दल 12 फरवरी को ही स्वदेशी फाइटर जेट, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, एलसीए तेजस मार्क-वन के साथ सिंगापुर पहुंच गया था। एयरोबैटिक्स में हिस्सा लेकर एलसीए तेजस ने अपनी संचालन से जुड़ी विशेषताओं तथा गतिशीलता को प्रदर्शित किया और पूरी दुनिया को दिखाया कि आखिर तेजस कितना ताकतवर लड़ाकू विमान है। सिंगापुर एयर शो से पहले भारतीय वायुसेना 2021 में दुबई एयर शो और 2019 में मलेशिया में लिमा एयर शो में भी हिस्सा ले चुकी है।

एचएएल द्वारा निर्मित तेजस प्रमुख रूप से हवाई युद्ध और आक्रामक तरीके से हवाई सहायता मिशन में काम आने वाला विमान है। यह एकल इंजन और बहु-भूमिका वाला ऐसा बेहद फुर्तीला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है, जो हवाई क्षेत्र में उच्च-खतरे वाली स्थितियों में संचालन करने में सक्षम है। टोही अभियान को अंजाम देने तथा पोत रोधी विशिष्टताएं इसकी द्वितीयक गतिविधियां हैं। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल तेजस फाइटर जेट को पूरी दुनिया की प्रशंसा मिल रही है। दरअसल एचएएल का यह अत्याधुनिक हल्का लड़ाकू विमान पहले ही सारे परीक्षण बड़ी कुशलता से पास कर चुका है और अमेरिका जैसे विकसित देश ने भी तेजस को अपने सेगमेंट में दुनिया के बेहतरीन फाइटर जेट्स में से एक माना है। तेजस की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि पूर्णतया देश में ही विकसित करने के बाद इसकी ढ़ेरों परीक्षण उड़ान होने के बावजूद अब तक एक बार भी कोई भी उड़ान विफल नहीं रही और न ही किसी तरह का कोई हादसा हुआ। यही कारण है कि कई देशों का भरोसा भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ-साथ तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों पर भी बढ़ा है। भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है और अभी तक भले ही अपनी ज्यादातर रक्षा सामग्री का विदेशों से आयात करता रहा है लेकिन बीते कुछ वर्षों से भारत रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके साथ ही रक्षा सामग्री के आयातक से निर्यातक बनने की राह पर भी अग्रसर है। रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 तक रक्षा निर्माण में 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये) के कारोबार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 5 अरब डॉलर (35 हजार करोड़ रुपये) के सैन्य हार्डवेयर का निर्यात लक्ष्य भी शामिल है।

अगर तेजस की विशेषताओं की बात करें तो यह एचएएल द्वारा भारत में ही विकसित किया गया हल्का और मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायुसेना के साथ नौसेना की जरूरतें पूरी करने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। तेजस संस्कृत भाषा का नाम है, जिसका अर्थ है 'अत्यधिक ताकतवर ऊर्जा'। 'तेजस' का यह अधिकारिक नाम 4 मई 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रखा गया था। मिग-21 लड़ाकू विमानों की पुरानी होती तकनीक को देखते हुए मिग विमानों का उपयुक्त विकल्प तलाशने और घरेलू विमानन क्षमताओं की उन्नति के उद्देश्य से देश में 1981 में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम शुरू किया गया था। उसी के बाद 1983 में तेजस विमानों की परियोजना की नींव रखी गई थी। तेजस का जो सैंपल तैयार किया गया, उसने अपनी पहली उड़ान जनवरी 2001 में भरी थी लेकिन सारी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यह हल्का लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में 2016 में ही शामिल किया जा सका। 2015 में तेजस को वायुसेना में शामिल करने की घोषणा हुई थी, जिसके बाद जुलाई 2016 में वायुसेना को दो तेजस सौंप दिए गए थे। वायुसेना को करीब दो सौ तेजस विमानों की जरूरत है। पिछले वर्षों में वायुसेना एचएएल को 40 तेजस विमानों की खरीद का ऑर्डर दे चुकी है, जिनमें से आधे से ज्यादा वायुसेना को मिल चुके हैं और गत वर्ष 83 तेजस विमानों का नया सौदा भी किया गया था। ये सभी तेजस फाइटर जेट वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के बाद वायुसेना की जरूरतें पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल वायुसेना में अभी तेजस की कुल दो स्क्वाड्रन हैं और 83 तेजस मिलने के बाद इनकी संख्या 6 हो जाएगी, जिनकी तैनाती अनिवार्य रूप से फ्रंटलाइन पर होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि एलसीए-तेजस आने वाले वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बनने जा रहा है।

तेजस में कई ऐसी नई प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जिनमें से कई का भारत में इससे पहले कभी प्रयास भी नहीं किया गया। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक तेजस लड़ाकू विमान चीन-पाकिस्तान के संयुक्त उद्यम में बने लड़ाकू विमान जेएफ-17 से हाईटेक और बेहतर है और यह किसी भी हथियार की बराबरी करने में सक्षम है। गुणवत्ता, क्षमता और सूक्ष्मता में तेजस के सामने जेएफ-17 कहीं नहीं टिक सकता। तेजस आतंकी ठिकानों पर बालाकोट स्ट्राइक से भी ज्यादा ताकत से हमला करने में सक्षम है। एक तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की कीमत करीब 550 करोड़ रुपये है, जो एचएएल द्वारा ही निर्मित सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से करीब 120 करोड़ रुपये ज्यादा है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान इसी श्रेणी के दूसरे हल्के लड़ाकू विमानों से महंगा इसलिए है क्योंकि इसे बहुत सारी नई तकनीक के उपकरणों से लैस किया गया है। इसमें इसराइल में विकसित रडार के अलावा स्वदेश में विकसित रडार भी हैं। इसके अलावा इसमें अमेरिका की जीई कम्पनी द्वारा निर्मित एफ-404 टर्बो फैन इंजन लगा है। यह बहुआयामी लड़ाकू विमान है, जो मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में भी बेहतर नतीजे देने में सक्षम है।

करीब 6560 किलोग्राम वजनी तेजस दुनिया में सबसे हल्का फाइटर जेट है, जो 15 किलोमीटर ऊंचाई तक उड़ सकने में सक्षम एक सुपरसोनिक फाइटर जेट है, जिसके निचले हिस्से में एक साथ नौ प्रकार के हथियार लोड और फायर किए जा सकते हैं। यदि इसे सभी प्रकार के हथियारों से लैस कर दिया जाए, तब इसका कुल वजन 13500 किलोग्राम होगा। लंबी दूरी की मार करने वाली मिसाइलों से लैस तेजस अपने लक्ष्य को लॉक कर उस पर निशाना दागने की विलक्षण क्षमता रखता है। यह कम ऊंचाई पर उड़कर नजदीक से भी दुश्मन पर सटीक निशाना साध सकता है। यह दूर से ही दुश्मन के विमानों पर निशाना साध सकता है और दुश्मन के रडार को भी चकमा देने की क्षमता रखता है। 'क्रिटिकल ऑपरेशन क्षमता' के लिए 'एक्टिव इलैक्ट्रॉनिकली स्कैंड रडार' जैसी नवीनतम तकनीक से लैस तेजस में बियांड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल, इलैक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट तथा एयर टू एयर रिफ्यूलिंग की व्यवस्था भी की गई है। इस फाइटर जेट में लगा वार्निंग सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और एयरक्राफ्ट का पता लगा सकता है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

## आज का इतिहास 21 फरवरी

1613 माइकल रोमानोव रूप से जार बने और सभी से वहाँ रोमानोव वंश का शासन स्थापित हुआ.
1707 औरंगजेब की मौत अहमदनगर में हुई.
1795 डचों ने सीलोन,श्रीलंका,अंग्रेजों को सौंप दिया.
1907 अंग्रेजी भाषा के कवि आडेन का जन्म.
1916 प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांस में बर्डन की लड़ाई भड़की.
1919 बावारेया के प्रधानमंत्री कुर्त रिजनर की हत्या म्यूनिख में हुई.
1943 ब्रिटेन नरेश जार्ज षष्ठ ने रूसियों को सम्मानित किया.
1948 संविधान का प्रारूप राष्ट्रपति को सौंपा गया.
1963 सोवियत संघ ने अमरीका को चेतावनी दी कि क्यूबा पर हमला विश्व युद्ध में बदल सकता है.
1975 राष्ट्र संघ मानवाधिकार आयोग ने अधिकृत अरब क्षेत्रों में दमनात्मक कार्रवाई के लिए इजरायल की कड़ी निंदा की.
1986 दक्षिण अफ्रीका सरकार ने जोहान्सबर्ग और डबरन अश्वेतों के लिए खोल दिए.
1990 कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन ने राजकुमार सिंहानुक से बैंकाक में शांति वार्ता की.
1991 अल्बानिया में राष्ट्रपति ने पुलिस विद्रोह के बाद नई सरकार के गठन की घोषणा की.
1992 चीन से शंघाई शेयर बाजार में विदेशियों का कामकाज की अनुमति दी.
2001 सहस्त्रशताब्दी के पहले महाकुंभ का समापन.
2004 लॉन टेनिस में सानिया मिर्जा डब्ल्यू. टी. ए. खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं.

## शब्द पहेली - 7204

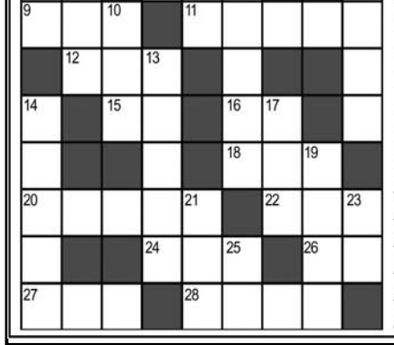

**बाएँ से दाएँ**

1.सुरक्षित,संरक्षित-4
4.उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6.पिता के पिता-2
7.नमस्कार,प्रणाम-3
9.आखेट मंच-3
11.आत्मबलिदानी-5
12.प्लेट,तश्तरी-3
15.रहस्य,भेद-2
16.जी,चित्त-2
18.जुड़वा-3
20.मन का मिलना-5
22.नल,टोंटी-3
24.देवर्षि,देवमुनि-3
26.गुप्तचर,जासूस-2
27.गमन,विदा होना-3
28.ईश्वर,रब-4

**ऊपर से नीचे**

1.सद्चरित्रता-3
2.इच्छा,मर्जी-2
3.अंधकार,अंधेरा-3
5.धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6.मोल,कीमत,दर-2
8.नरक के समान-5
10.बेकार,अयोग्य-3
13.बुआई करना-2,3
14.विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17.प्रणाम,नमस्कार-3
19.जल में रहने वाला-4
21.स्वर्ग का विलोम-3
23.छोटी सवारी गाड़ी-2
25.कीमत,भाव-2

**शब्द पहेली -7203 का हल**

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**21 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | मीन | 07.39 बजे से |
| चंद्र | तुला में | मेष | 09.09 बजे से |
| मंगल | धनु में | वृष | 10.49 बजे से |
| बुध | मकर में | मिथुन | 12.47 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | कर्क | 15.01 बजे से |
| शुक्र | धनु में | सिंह | 17.17 बजे से |
| शनि | मकर में | कन्या | 19.29 बजे से |
| राहु | वृष में | तुला | 21.39 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | वृश्चिक | 23.54 ब.से |
| राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक | | धनु | 02.10 बजे से |
| | | मकर | 04.15 बजे से |
| | | कुंभ | 06.02 बजे से |

**सोमवार** 2022 वर्ष का 52 वां दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943
**मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
**पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 19.58 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** चित्रा 16.17 बजे को समाप्त।
**योग** गण्ड 13.05 बजे को समाप्त।
**करण** कौलव 08.34 बजे तदनन्तर तैतिल 19.58 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 19.8 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 10° 39'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1871166
**जूलियन दिन** 2459631.5
**कलियुग संवत्** 5123
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2548
**हिजरी सन्** 1443
**महीना** रज्जब
**तारीख** 19

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## खेल - समाचार

### रणजी ट्राफी : शुभम , कार्तिकेय के शानदार प्रदर्शन से मध्य प्रदेश ने गुजरात को हराया

राजकोट (ईएमएस)। शुभम शर्मा शानदार शतक के बाद कार्तिकेय सिंह की घातक गेंदबाजी की सहायता से मध्य प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच के चौथे और अंतिम दिन गुजरात को 106 रन से हरा दिया। बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने पांच विकेट लेकर गुजराज की पारी को समेटकर मध्य प्रदेश को जीत दिलाई।

गुजरात को पहली पारी में 75 रनों कीमामूली बढ़त मिली थी पर दूसरी पारी में मध्य प्रदेश की ओर से शुभम ने नाबाद 103 रन बनाकर अपनी टीम को 251 रन तक पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज की टीम 37.5 ओवर में केवल 88 रनों पर ही आउट हो गयी। कार्तिकेय ने 34 रन देकर पांच विकेट लेकर गुजरात के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

गुजरात के कप्तान और सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल 05 रन बनाकर कार्तिकेय की गेंद पर आउट हुए और इसके बाद उन्होंने भार्गव मेराई को भी आउट कर दिया। ईश्वर चंद्र पांडे ने 28 जबकि शुभम ने सात रन देकर दो-दो विकेट लिए।

### 23 फरवरी को होगा प्रो कबड्डी लीग सेमीफाइनल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पटना पाइरेट्स और दबंग दिल्ली सहित छह टीमें प्रो कबड्डी लीग के प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। इसमें पटना और दिल्ली ने शीर्ष दो में रहते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं यूपी योद्धा, गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु बुल्स और पुणेरी पलटन तीसरे, चौथे, 5वें और छठे स्थान पर रहकर आगे बढ़ी हैं। इसमें शीर्ष दो में रहने वाली दोनों टीमें 23 फरवरी को सेमीफाइनल खेलेगी। वहीं बाकी की चारों टीमों को 21 फरवरी को एलिमिनेटर दौर खेलना होगा। दोनों एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम का सामना सेमीफाइनल में शीर्ष 2 पर रहने वाली पटना और दिल्ली की टीम से होगा।

21 फरवरी को 2 एलिमिनेटर मुकाबले खेले जाएंगे। दिन का पहला मुकाबला शाम 7.30 बजे यूपी औरबनाम पुणेरी पलटन के बीच खेला जाएगा। वहीं दिन के दू

# इस सप्ताह भी रूस-यूक्रेन संकट से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनैतिक परिस्थितियों के दबाव की वजह से आधे प्रतिशत तक गिरे शेयर बाजार में रूस-यूक्रेन तनाव कम होने के कोई संकेत नहीं ?दिखाई दे रहे हैं, ?जिससे इस सप्ताह भी शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 319.95 अंक गिरकर सप्ताहांत पर 57832.97 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.45 अंक फिसलकर 17276.30 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों पर भी बिकवाली का दबाव रहा, जिससे सप्ताहांत पर बीएसई का मिडकैप 478.97 अकं टूटकर 23771.95 अंक और स्मॉलकैप 943.52 अंक लुढ़ककर 27748.30 अंक पर आ गया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच अत्यधिक अस्थिर सप्ताह के बाद बाजार में मामूली गिरावट देखी गई। इस सप्ताह भी अस्थिरता जारी रह सकती है क्योंकि रूस-यूक्रेन गतिरोध कम होने पर कोई स्पष्ट तस्वीर नहीं है और बाजार इस संबंध में प्रत्येक 15 मिनट में आने वाले समाचार पर प्रतिक्रिया कर रहा है। इस सप्ताह भी शेयर बाजार की चाल निर्धारित करने में भू-राजनीतिक स्थिति एक प्रमुख कारक रहेगी। उनका कहना है कि भारतीय बाजार के लिए एक उम्मीद की किरण यह है कि इस भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चा तेल उबल नहीं रहा है। भविष्य में ईरान से कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है। ऐसी अनिश्चितता के बीच जहां विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बिकवाली जारी रखे हुए हैं जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक बाजार को लगातार समर्थन दे रहे हैं।

# पिछले एक साल में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले आठ अरब डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजारों में बिकवाली का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार पांचवे माह एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 18,856 करोड़ रुपए निकाले हैं। भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच एफपीआई की निकासी बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार, एक से 18 फरवरी के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 15,342 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 3,629 करोड़ रुपए की निकासी की है। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड माध्यमों में 115 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 18,856 करोड़ रुपए रही है। यह लगातार पांचवां महीना है, जबकि विदेशी कोषों ने भारतीय बाजारों से निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच एफपीआई हाल के समय में भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिए जाने के बाद उनकी बिकवाली भी तेज हुई है।

रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुख बांड और सोने जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों की तरफ हो गया है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से करीब आठ अरब डॉलर निकाले हैं। यह 2009 के बाद सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के मार्केट कैप में बीते सप्ताह 85,712.56 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 36,694.59 करोड़ रुपए बढ़कर 14,03,716.02 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 32,014.47 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 16,39,872.16 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी ने सप्ताह के दौरान 2,703.68 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार पूंजीकरण 4,42,162.93 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 1,518.04 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,24,456.6 करोड़ रुपए रहा।

# आईपीओ ला रही एलआईसी आने वाले समय में बनेगी निजी कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती

मुंबई (ईएमएस)। देश की बीमा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का जल्द ही आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आ रहा है। अपने कारोबार को गैर-प्रतिभागी पॉलिसी की दिशा में मोड़कर निजी बीमा कंपनियों को तगड़ी चुनौती दे सकती है। स्विस ब्रोकरेज फर्म क्रेडिट सुइस ने आईपीओ की मंजूरी के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दायर आवेदन ब्योरे का विश्लेषण करने के बाद तैयार एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। रिपोर्ट कहती है कि एलआईसी की कारोबारी प्रमुखता में बदलाव का सबसे ज्यादा असर एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी लाइफ और मैक्स लाइफ जैसी जीवन बीमा कंपनियों को उठाना पड़ेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एलआईसी पहले ही अपने मार्जिन को सात प्रतिशत अंक बेहतर करते हुए 9.9 प्रतिशत पर पहुंचा चुकी है। सरकार ने एलआईसी के अधिशेष एवं लाभ वितरण नियमों में बदलाव कर इसके मार्जिन में बढ़ोतरी का रास्ता आसान बनाया है। इसकी वजह से एलआईसी अपने कारोबार में भागीदार पॉलिसी के साथ गैर-प्रतिभागी पॉलिसी को भी 10 प्रतिशत जगह दे सकेगी जो फिलहाल महज चार प्रतिशत है। इससे एलआईसी अपने मार्जिन को 20 प्रतिशत तक भी लेकर जा सकती है। क्रेडिट सुइस का यह अनुमान इस संकल्पना पर आधारित है कि एलआईसी का बीमा कारोबार पूरी तरह नए अधिशेष वितरण की तरफ स्थानांतरित हो जाएगा। वर्तमान में गैर-प्रतिभागी पॉलिसी सौ फीसदी और प्रतिभागी पॉलिसी 10 प्रतिशत है।

प्रतिभागी बीमा पॉलिसी के तहत पॉलिसीधारकों को बोनस या लाभांश वितरण के रूप में गारंटीशुदा एवं बिना गारंटी वाले दोनों लाभ दिए जाते हैं। वहीं गैर-प्रतिभागी पॉलिसी में पॉलिसीधारक को अमूमन गारंटीशुदा फायदे मिलते हैं लेकिन उन्हें लाभ या लाभांश नहीं दिया जाता है।फिलहाल एलआईसी का अपने नए कारोबार प्रीमियम का सिर्फ चार प्रतिशत ही गैर-प्रतिभागी पॉलिसी से आता है। इसके उलट निजी क्षेत्र की शीर्ष बीमा कंपनियों का यह अनुपात 20 से 45 प्रतिशत तक है। रिपोर्ट कहती है कि एलआईसी का गैर-प्रतिभागी पॉलिसी का मार्जिन अपने ही प्रतिभागी पॉलिसी कारोबार से अधिक है और निजी कंपनियां भी इस मामले में उससे पीछे हैं। देश में उदारीकरण की नीतियों की शुरुआत के 21 साल बाद भी एलआईसी का नई बीमा पॉलिसी कारोबार में बाजार हिस्सेदारी 66 प्रतिशत है। इसकी बड़ी हैसियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एलआईसी के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद कंपनी से उसकी प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 16 गुना अधिक है।

# आम आदमी को इस साल भी महंगाई से राहत मिलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी को इस साल भी महंगाई से राहत मिलने की संभावना नहीं है। पिछले साल की तरह इस साल भी लोगों के लिए मकान खरीदना आसान नहीं होगा। इसकी प्रमुख वजह मकान की कीमतों में वृद्धि का अनुमान है। पिछले साल भी देश के आठ शहरों में मकानों की कीमतों में 7 फीसदी तक की वृद्धि देखी गई है। सीमेंट और इस्पात जैसे कच्चे माल की कीमतों में तेजी के कारण मकान की कीमतें बढ़ रही हैं।

एक ताजा सर्वेक्षण में सामने आया है कि पिछले साल की तरह इस साल भी आम लोगों को मकान खरीदने के लिए पहले से ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और संपत्ति सलाहकार एनारॉक के सर्वे में कहा गया है कि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए खरीदारों ने कीमतों में बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। उपभोक्ता सर्वेक्षण में शामिल 55 फीसदी से अधिक खरीदारों ने साल 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि का अनुमान जताया है। यह सर्वे जुलाई, 2021 और दिसंबर, 2021 के बीच किया गया। इसमें टियर-1, टियर-2 और टियर-3 श्रेणी के शहरों में 5,210 प्रतिभागियों ने विभिन्न डिजिटल मंचों के जरिये अपनी राय व्यक्त की है।

एनारॉक का कहना है कि सर्वेक्षण में 56 फीसदी प्रतिभागियों ने निर्माण के कच्चे माल में वृद्धि और डेवलपर्स के लिए कुल परिचालन लागत में बढ़ोतरी के कारण 2022 में आवास कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई है। इसमें कहा गया है कि घरों की कीमतों में 10 फीसदी से कम की वृद्धि का प्रभाव ज्यादा नहीं होगा, लेकिन 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि का खरीदार की भावना पर अधिक गहरा असर होगा। एचडीएफसी लिमिटेड के चेयरमैन दीपक पारेख का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में मकानों की मांग मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कई अन्य पश्चिमी देशों के विपरीत भारत में आवास की मांग वास्तविक घर खरीदारों द्वारा है न कि सट्टेबाजी के चलते। पारेख ने कहा कि अपने 50 से अधिक वर्षों के कामकाजी जीवन में उन्होंने भारत में आज की तुलना में बेहतर आवास क्षमता नहीं देखी है।

# ईपीएफओ कर रहा 15,000 से ज्यादा मूल वेतन वालों के लिए नई पेंशन स्कीम लाने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एंप्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) संगठित क्षेत्र के 15 हजार रुपये से ज्यादा का मूल वेतन पाने वाले तथा एंप्लाई पेंशन स्कीम-1995 के तहत अनिवार्य रूप से पेंशन नहीं पाने वाले कर्मचारियों के लिए एक नई पेंशन स्कीम लाने पर विचार कर रहा है। वर्तमान में संगठित क्षेत्र के वे कर्मचारी जिनका मूल वेतन (बेसिक पे और डीए) 15 हजार रुपए तक है, अनिवार्य रूप से ईपीएस-95 के तहत आते हैं।

एक सूत्र ने बताया ईपीएफओ के सदस्यों के बीच ऊंचे योगदान पर अधिक पेंशन की मांग की गई है। इस प्रकार उन लोगों के लिए एक नया पेंशन उत्पाद या योजना लाने के लिए सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है, जिनका मासिक मूल वेतन 15,000 रुपए से अधिक है। सूत्र के अनुसार, इस नए पेंशन उत्पाद पर प्रस्ताव 11 और 12 मार्च को गुवाहाटी में ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (सीबीटी) की बैठक में आ सकता है।

बैठक के दौरान सीबीटी द्वारा नवंबर, 2021 में पेंशन संबंधी मुद्दों पर गठित एक उप-समिति भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सूत्र ने बताया कि ऐसे ईपीएफओ अंशधारक हैं जिन्हें 15,000 रुपए से अधिक का मासिक मूल वेतन मिल रहा है, लेकिन वे ईपीएस-95 के तहत 8.33 फीसदी की कम दर से ही योगदान कर पाते हैं। इस तरह उन्हें कम पेंशन मिलती है।

ईपीएफओ ने 2014 में मासिक पेंशन योग्य मूल वेतन को 15,000 रुपये तक सीमित करने के लिए योजना में संशोधन किया था। 15,000 रुपए की सीमा केवल सेवा में शामिल होने के समय लागू होती है। संगठित क्षेत्र में वेतन संशोधन और मूल्यवृद्धि की वजह से इसे एक सितंबर, 2014 से 6,500 रुपए से ऊपर संशोधित किया गया था। बाद में मासिक मूल वेतन की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने की मांग हुई और उसपर विचार-विमर्श किया गया, लेकिन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल पाई। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, पेंशन योग्य वेतन बढ़ाने से संगठित क्षेत्र के 50 लाख और कर्मचारी ईपीएस-95 के दायरे में आ सकते हैं।

# इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट से सफर जल्द होगा प्रारंभ

-शुरू होगी इलेक्ट्रिक एयर टैक्सियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक बाइक, कार और स्कूटर के साथ अब हवा में इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट में सफर भी शुरु हो सकेगा। जर्मन एयरक्राफ्ट मैन्यूफैक्चरर वोलोकॉप्टर सिंगापुर में दो साल के भीतर इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी शुरू करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे नजदीकी डेस्टीनेशन के लिए उड़ानें प्रदान करने के लिए बातचीत कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर क्रिश्चियन बाउर का कहना है कि उनकी कंपनी का लक्ष्य मरीना बे और सेंटोसा के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के आसपास 10 से 20 हवाई टैक्सियों का एक बेड़ा चलाने का है।कंपनी के एशियाई विस्तार कदम के हिस्से के रूप में वोलोकॉप्टर ने सिंगापुर में रखरखाव संचालन स्थापित करने की भी योजना बनाई है। इसके साथ ही यह शहर-राज्य सहित एशिया में इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग एयरक्राफ्ट के निर्माण पर व्यवहार्यता अध्ययन कर रहा है। कंपनी अभी भी यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया में है, ताकि उसे यूरोप और साथ ही सिंगापुर में एयर टैक्सियों को संचालित करने की अनुमति मिल सके। हालांकि, उसने पहले ही 15 मिनट की जॉय फ्लाइट्स के लिए टिकट बेचना शुरू कर दिया है।एशिया में अपने विस्तार को आगे बढ़ाने के लिए, कंपनी की योजना सिंगापुर में अपने कर्मचारियों को वर्तमान में 10 से बढ़ाकर 2030 तक 500 करने की है। यह अगले साल की शुरुआत में चीन के चेंगदू में गेली के सहयोग से अपने ड्रोन का उपयोग करके पार्सल डिलीवरी सेवाएं प्रदान करना शुरू करने की भी उम्मीद कर रही है।

यह दक्षिण कोरिया और जापान में सरकारी अधिकारियों और कंपनियों के साथ उड़ान टैक्सी सेवाएं प्रदान करने के लिए भी काम कर रही है। बता दें कि पिछले कुछ सालों से दुनियाभर में इलेक्ट्रिक कार और इलेक्ट्रिक बाइक का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। भारत की तुलना में विदेशों में ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल को अपना रहे हैं। अब इलेक्ट्रिक सेगमेंट एक और नई उपलब्धि हासिल करने जा रहा है।

# नए सीएसआर खुलासा ढांचे से डेटा विश्लेषण में मिलेगी मदद, बढ़ेगी पारदर्शिता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कंपनियों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के लिए नए खुलासा या प्रकटीकरण ढांचे से विश्लेषणात्मक कार्यों में मदद मिलेगी और खर्च के संबंध में अधिक पारदर्शिता आएगी। लाभप्रद कंपनियों के लिए सीएसआर व्यवस्था अप्रैल, 2014 में लागू हुई थी और 30 सितंबर, 2021 तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के दौरान इन कार्यों के लिए 8,828.11 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय सीएसआर डेटा पोर्टल के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में खर्च की गई राशि 20,360 करोड़ रुपए है। हालांकि, यह आंकड़ा अधिक होने की संभावना है क्योंकि कॉरपोरेट के पास सीएसआर से संबंधित जानकारी देने के लिए मार्च तक का समय है। इस महीने की शुरुआत में मंत्रालय ने फॉर्म सीएसआर -2 (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पर रिपोर्ट) को अधिसूचित किया।

अधिकारी ने कहा फॉर्म की शुरुआत का मकसद सीएसआर खर्च के बारे में बारीक विवरण हासिल करना है, जो विश्लेषणात्मक उद्देश्यों के लिए जरूरी है। इससे हितधारकों को यह जानने में भी मदद मिलेगी कि कंपनियां अपने सीएसआर दायित्वों के साथ क्या कर रही हैं। यह फॉर्म मशीन पठनीय प्रारूप में होगा और इसका डेटा सीएसआर पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। फॉर्म को लेकर यह चिंता भी जताई गई है कि नई प्रकटीकरण जरूरतों से कंपनियों के लिए अनुपालन बोझ बढ़ सकता है। अधिकारी ने कहा कि नई खुलासा आवश्यकताओं का मकसद कंपनियों की गतिविधियों में अधिक पारदर्शिता लाना है।

# अगले कुछ वर्षों में टियर-2 और टियर-3 शहर वृद्धि की अगुआई करेंगे

चेन्नई (ईएमएस)। सुंदरम होम फाइनेंस के प्रबंध निदेशक डी लक्ष्मी नारायणन ने कहा है, कि अगले कुछ वर्षों में टियर-2 और टियर-3 शहर वृद्धि की अगुआई करने वाले हैं। यह ध्यान में रखकर कंपनी ने दक्षिण भारतीय बाजार में 200 लोगों की भर्ती करने की योजना बनाई है। लक्ष्मीनारायणन ने कहा कि कंपनी रियल एस्टेट क्षेत्र में लंबी अवधि की संभावनाओं को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा, ''आवास बाजार इस साल लचीला बना रहकर और अधिक बढ़ेगा, इससे वास्तविक ग्राहकों की मांग और छोटे शहरों की वृद्धि से मजबूती मिलेगी। 2022 में आवास की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और महामारी से पहले के स्तर पर वापस आएगी।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने पिछले छह महीनों में मासिक आधार पर लगातार वृद्धि दर्ज की है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद आवास बाजार में तेजी आई है और खरीदार कई विकल्प तलाश रहे हैं। प्रबंध निदेशक ने कहा कि खरीदारों में नया विश्वास जगा हैं, और बाजार में तेजी का अंदाजा नई परियोजनाओं की संख्या से लग सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद लोग स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी चिंताओं के चलते घनी आबादी वाले शहरों से दूर बड़े घरों में दिलचस्पी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। चालू वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में हमारे लगभग 70 प्रतिशत वितरण इन्हीं स्थानों में हुए हैं।''

# ब्रिटिश पीएम ने चेताया, कहा- दूसरे विश्वयुद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े हमले की योजना बना रहे पुतिन

-अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस बोली, यूक्रेन पर रूसी हमला होगा तो 'अभूतपूर्व' आर्थिक कीमत चुकानी होगी

लंदन (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते टकराव के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने चिंता जताते हुए आगाह करते हुए दुनिया को चेताया है। जॉनसन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूरोप में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सबसे बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि पुतिन की योजना अब कुछ हद तक शुरू हो गई है। ब्रिटिश पीएम ने कहा कि खुफिया रिपोर्टों से यह पता चला है कि रूस बेलारूस के रास्ते हमले की तैयारी कर रहा है ताकि 28 लाख की आबादी वाली यूक्रेन की राजधानी कीव को घेर लिया जाए। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के बाद बोरिस जॉनसन ने कहा, 'जो योजना हम देख रहे हैं, उसके मुताबिक व्यापकता के आधार पर यह साल 1945 के बाद अब तक का सबसे बड़ा युद्ध यूरोप में हो सकता है।' जॉनसन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चेतावनी दी है कि आने वाले वाले दिनों में रूसी सेना यूक्रेन पर हमले का इरादा रखती है। इसमें कीव को निशाना बनाना शामिल है।

बोरिस जॉनसन ने कहा कि लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस जंग में रूस और यूक्रेन दोनों के ही बहुत से लोगों की जान जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी संकेत यह बता रहे हैं कि पुतिन ने अपनी योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के पूर्वी इलाके में विद्रोहियों का हमला बड़ी कार्रवाई की शुरुआत मात्र हो सकता है। इस बीच अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को रूस को चेतावनी दी कि अगर वह यूक्रेन पर हमला करेगा तो उसे इसकी 'अभूतपूर्व' आर्थिक कीमत चुकानी होगी। हैरिस ने कहा कि ऐसे हमले से यूरोपीय देश अमेरिका के और नजदीक आएंगे। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा, 'इतिहास में यह एक निर्णायक क्षण है।' हैरिस ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति कह चुके हैं कि वह अपने देश के लिए केवल शांति चाहते हैं। उपराष्ट्रपति ने जर्मनी में आयोजित वार्षिक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यह बयान दिया।

हैरिस ने कहा, 'मैं एकदम साफ शब्दों में कह रही हूं कि अगर रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ मिलकर अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिबंध लगाएगा।' उपराष्ट्रपति का उद्देश्य यूरोपीय देशों को यह बताना है कि पश्चिमी देशों में 'एकता के माध्यम से शक्ति' है। उन्होंने अपने संबोधन के जरिये मोटे तौर पर यूरोप को संदेश दिया कि पश्चिम के पास 'एकता की ताकत' है और यूक्रेन पर आक्रमण होने की स्थिति से रूस के दरवाजे पर नाटो की ओर बड़ी उपस्थिति हो सकती है। बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ बैठक के शुरू में हैरिस ने कहा 'इतिहास में यह निर्णायक क्षण है।' उन्होंने जेलेंस्की से कहा, 'आपके के देश पर किसी भी तरह के खतरे को हम गंभीरता से लेंगे।' इस पर यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, 'हम स्पष्ट रूप से समझते हैं कि क्या हो रहा है। यह हमारी जमीन है और हम शांति चाहते हैं।' उन्होंने और अधिक सैन्य और आर्थिक सहायता के अनुरोध की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि पश्चिमी सहयोगी 'विशेष कदम' उठाएं। जेलेंस्की ने रेखांकित किया कि रूसी सेना उनके देश की सीमा पर मौजूद है और यूक्रेन की सेना वास्तव में 'पूरे यूरोप की रक्षा' कर रही है। रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर वर्ष 2014 में कब्जा कर लिया था और रूस समर्थित अलगाववादी गत आठ साल से देश के पूर्वी हिस्से में लड़ रहे हैं।

# रूस से सुरक्षा खतरा होता है तो सहयोगी देश अकेले नहीं पड़ेंगे: ऑस्टिन

विलनियस (ईएमएस)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने तीन बाल्टिक देशों को आश्वासन दिया कि अगर रूस से सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है तो वे अकेले नहीं पड़ेंगे। पश्चिमी देशों के अधिकारियों का कहना है कि मास्को किसी भी समय यूक्रेन पर आक्रमण कर सकता है। हालांकि रूस ने हमले की योजना से इनकार किया है। ऑस्टिन ने यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस के सैनिकों की तैयारी के बारे में कहा ?कि वे हमला करने के लिए तैयार हैं। लिथुआनिया के अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कथित महत्वाकांक्षाएं पूरे क्षेत्र में फैल सकती हैं। लिथुआनियाई विदेश मंत्री गेब्रियलियस लैंड्सबर्गिस ने ऑस्टिन के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा ?कि यूक्रेन के लिए लड़ाई यूरोप के लिए एक लड़ाई है। पुतिन को यहीं नहीं रोका गया तो वह और आगे बढ़ जाएंगे। ऑस्टिन ने लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा ?कि मैं चाहता हूं कि लिथुआनिया, एस्टोनिया और लातविया में सभी को पता चले और मैं राष्ट्रपति पुतिन और क्रेमलिन को बताना चाहता हूं कि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ खड़ा है। ऑस्टिन ने लिथुआनिया की अपनी दो दिवसीय यात्रा पर लिथुआनियाई राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा, प्रधानमंत्री इंग्रिडा सिमोनीटे और लातविया और एस्टोनिया के रक्षा मंत्रियों से भी मुलाकात की।

## पायलट ने तूफान में सफलतापूर्वक लैंड कराया एयर इंडिया का विमान

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन इस समय यूनिस तूफान से जूझ रहा है। इसके चलते लंदन में विमानों का उतरना मुश्किल हो गया है। एक यूटयूब लाइव स्ट्रीमिंग वीडियो में शनिवार को कई विमानों को लड़खड़ाते हुए लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर खतरनाक तरीके से लैंड करते देखा गया। इसमें एयर इंडिया के एक विमान का वीडियो भी ट्विटर पर तेजी से शेयर हो रहा है। वीडियो में विमान को बेहद कुशलता से एयरस्ट्रिप पर उतरते देखा जा सकता है, जिसके लिए पायलट की जमकर तारीफ की जा रही है। वीडियो में लैंडिंग के समय तेज हवा के चलते एयर इंडिया के विमान का संतुलन हवा में ही बिगड़ता हुआ दिख रहा है। धीरे-धीरे विमान नीचे उतरता है और पायलट ने बड़ी सूझबूझ से विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा दी।

इस दृष्य के वीडियो को कई लोगों ने ट्विटर पर शेयर किया है। एक यूजर ने लिखा बेहद कुशल भारतीय पायलट, एयर इंडिया की इस फ्लाइट के पायलटों ने बी787 ड्रीमलाइनर विमान को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर अपने पहले प्रयास में आसानी से उतारने में कामयाबी हासिल की, जबकि स्टॉर्म यूनिस ने सैकड़ों उड़ानों को प्रभावित किया, जय हिंद। एक दूसरे यूजर ने लिखा एयर इंडिया के पायलट ने कल यूनिस तूफान के दौरान तेज हवाओं में एक ड्रीमलाइनर को उतारा, कई एयरलाइनें 2-3 प्रयासों में ऐसा कर पाईं।

शनिवार को एक लाइव स्ट्रीमिंग में ब्रिटिश एयरवेज से लेकर एमाइरेट्स के कई विमानों को तेज तूफानी हवाओं के बीच ऊबड़-खाबड़ तरीके से नीचे उतरते हुए देखा गया।

# कनाडा के तीन कॉलेज दिवालिया घोषित, अधर में लटका हजारों भारतीय छात्रों का भविष्य

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के क्यूबेक में अचानक 3 कॉलेजों के दिवालिया घोषित किए जाने से हजारों भारतीय छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। इस संकट को देखते हुए ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने प्रभावित छात्रों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। लाखों रुपए खर्च करके शिक्षा हासिल करने गए भारतीय छात्र अब दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो गए हैं।

कनाडा के जो तीन कॉलेज दिवालिया घोषित किए गए हैं, उनमें एम कॉलेज मॉन्ट्रियल, सीडीई कॉलेज शेरब्रुक और सीसीएसक्यू कॉलेज लांग्युइल शामिल हैं। इन कॉलेजों ने पहले ट्यूशन फीस जमा करने और पैसे देने के लिए दबाव बनाया फिर अचानक से छात्रों को इस महीने एक नोटिस जारी कर दिया कि वे कॉलेज को बंद कर रहे हैं। सभी तीन कॉलेज छात्रों को भर्ती करने वाली फर्म एक ही थी। इसका नाम राइजिंग फोनिक्स इंटरनेशनल है।

अब इस फर्म ने दिवालिया होने का आवेदन दिया है। इन कॉलेजों के दिवालिया होने का आवेदन ऐसे समय पर आया है जब क्यूबेक में कई निजी कॉलेजों के खिलाफ जांच शुरू हुई है। इसमें एम कॉलेज और सीडीई कॉलेज शामिल है। इनका भारत में छात्रों को भर्ती करने का तरीका सवालों के घेरे में है। इन कॉलेजों के अचानक से बंद होने की वजह से भारतीय छात्र भारत के उच्चायोग मदद मांगने पहुंच गए। इन भारतीय छात्रों में से कई ने तो हजारों डॉलर की फीस जमा की थी। ऐसे छात्रों की पढ़ाई अब रुक गई है। भारतीय उच्चायोग ने अपने बयान में कहा उच्चायोग के पास भारत से आए कई छात्र पहुंचे जो इन तीन कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। अगर स्टूडेंट्स को फीस वापसी या उसके हस्तातंरण में दिक्कत आती है तो वे क्यूबेक सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय से शिकायत कर सकते हैं। उच्चायोग ने आश्वासन दिया कि ऐसे कई रास्ते हैं जिसके जरिए फीस को वापस कराया जा सकता है।

## श्रीलंकाई नौसेना ने छह भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई नौसेना ने देश के जल क्षेत्र में अवैध शिकार करने के आरोप में छह भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया और उनकी नाव जब्त कर ली। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। नौसेना ने एक बयान में कहा कि जाफना क्षेत्र में कोविलन लाइटहाउस के उत्तर पश्चिम समुद्र में शनिवार तड़के गश्त के दौरान इन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया है ?कि श्रीलंका नौसेना ने श्रीलंकाई जल क्षेत्र में अवैध शिकार करते हुए छह भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जबकि एक नाव को जब्त कर लिया। बयान के अनुसार उन्हें कोविलन लाइटहाउस के उत्तर-पश्चिम में समुद्र में उत्तरी नौसेना कमान से जुड़े चौथे फास्ट अटैक फ्लोटिला (4 एफएएफ) के फास्ट अटैक क्राफ्ट द्वारा की गई गश्त के दौरान पकड़ा गया। बयान में कहा गया है कि इस महीने अब तक भारत के कम से कम 29 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और छह नौकाओं को भी जब्त किया गया है। इस महीने के दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी संबंधी यह चौथी घटना है।

# जमीन, हवा, समुद्र से की महाविनाशक मिसाइलों की वर्षा, रूस के परमाणु अभ्यास से सहमी दुनिया

मास्को (ईएमएस)। सुपरपावर रूस ने यूक्रेन में जारी तनाव के बीच शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र से महाविनाशक मिसाइलों की बारिश का अभ्यास करके पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया। रूसी मिसाइलों में परंपरागत मिसाइलों के साथ-साथ दो हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल थीं जिनका तोड़ किसी भी देश के पास नहीं है।

रूसी मिसाइलें दुनिया के किसी भी कोने में परमाणु बम गिराने में सक्षम हैं। इनकी मदद से किसी भी शहर को पलभर में राख के ढेर में बदला जा सकता है। रूस के इस परमाणु शक्ति प्रदर्शन के दौरान देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूस का तानाशाह लुकाशेंको भी क्रेमलिन में मौजूद थे। इस अभ्यास की शुरुआत में रूस ने देश के पश्चिमोत्तर इलाके में स्थित रूसी अड्डे से मिसाइल दागी। इसके कुछ सेकंड बाद ही बैरंट सागर में एक पनडुब्बी की मदद से दूसरी मिसाइल को लांच किया गया।

दोनों ही मिसाइलों ने हजारों किलोमीटर दूर स्थित अपने लक्ष्य को

# मुख्यमंत्री ने पाटण में निर्माणाधीन वीर मेघमाया मंदिर स्मारक के किए दर्शन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को पाटण जिले के दौरे के दौरान निर्माणाधीन वीर मेघमाया स्मारक के भी दर्शन किए। गुजरात की ऐतिहासिक पुरातन राजधानी पाटण की जनता, पशु-पक्षी और प्रकृति के संरक्षण के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान शहीद वीर मेघमाया के मंदिर स्मारक का दौरा कर मुख्यमंत्री ने कृतज्ञता का अनुभव किया। गुजरात के इतिहास में अमर हो चुके सामाजिक समरसता के प्रतीक महान शहीद वीर मेघमाया के भव्य बलिदान को उजागर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में इस भव्य मंदिर एवं अद्यतन स्मारक का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है। गुजरात राज्य पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड 11 करोड़ रुपए की भारी लागत से इस स्मारक का निर्माण कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इसकी कार्य प्रगति की जानकारी ली। वीर मेघमाया विश्व मेमोरियल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर पाटण द्वारा इस अवसर पर मुख्यमंत्री को शक्कर से तौला गया। वीर मेघमाया विश्व मेमोरियल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर पाटण के चेयरमैन और अहमदाबाद पश्चिम के सांसद डॉ. किरीटभाई सोलंकी ने मेघमाया के बलिदान को याद कर स्मारक के विकास के लिए राज्य सरकार के उदार योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार, भाजपा प्रदेश महामंत्री रजनीकांत पटेल, अग्रणी बलवंतसिंह राजपूत, नंदाजी ठाकोर, दशरथजी ठाकोर सहित कई पदाधिकारी, कलक्टर सुप्रीत सिंह गुलाटी, जिला विकास अधिकारी रमेश मेरजा, पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाणा सहित कई अधिकारी और नगरजन उपस्थित थे।

वीर मेघमाया के बलिदान का संक्षिप्त इतिहास

लगभग 1000 वर्ष पूर्व गुजरात की राजधानी पाटण थी। प्रतापी राजा सिद्धराज जयसिंह सोलंकी का शासन सुदूर मालवा तक फैला था। लगातार कई वर्षों तक अकाल पड़ने की वजह से राज्य की जनता बिना पानी के परेशान भटक रही थी। ऐसे में राजा सिद्धराज ने पाटण में सहस्त्र लिंग सरोवर का निर्माण शुरू किया। शिवभक्त होने के कारण राजा ने तालाब के किनारे 1008 शिवलिंग के साथ शिवालय का निर्माण कराया। दुर्भाग्य से सहस्त्र लिंग सरोवर का काम पूरा होने के बाद भी उसमें पानी नहीं भरा। इस बारे में पंडितों से पूछने पर पता चला कि राजा पर सती जसमा ओडण का श्राप होने के कारण पानी नहीं भरा है। समस्या के निराकरण के लिए पंडितों ने सुझाव दिया कि सरोवर में बत्तीस लक्षण वाले पुरुष के बलिदान देने पर ही पानी भरेगा। ऐसे पुरुष की खोज करने पर पता चला कि धोलका के रनोड़ा गांव में वणकर परिवार में पैदा हुआ युवा वीर मेघमाया इसके लिए उपयुक्त था। वीर मेघमाया ने जनता की वेदना को दूर करने के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने की सहर्ष तैयारी बताई। राजा ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ वीर मेघमाया को पाटण आमंत्रित किया। उस समय समाज में छूआछुत की बुराई चरम स्तर पर थी। तब वीर मेघमाया ने राजा के समक्ष अपने समाज को न्याय दिलाने के लिए गले में मटकी, पीछे झाड़ू, तुलसी की पूजा पर रोक, पवित्र वृक्ष पीपल की पूजा पर रोक तथा गांव के बाहर निवास करने जैसी कुरीतियों को दूर करने की मांग की। सामाजिक न्याय के लिए 1000 वर्ष पहले उठाई गई यह मांग इतिहास में बेजोड़ है। वीर मेघमाया ने सहस्त्र लिंग तालाब में शहादत देकर इसके पानी को प्रत्येक समाज, जाति और संप्रदाय के लोगों के लिए उपलब्ध कराया। सचमुच ही वीर मेघमाया ने केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए बलिदान दिया है और उनके बलिदान को उजागर करने के लिए पाटण में वीर मेघमाया स्मारक का निर्माण किया जा रहा है।

## 3 नपा और 1 मनपा को जलापूर्ति योजना के 42.73 करोड़ के कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के जनहितकारी दृष्टिकोण से 3 नगर पालिकाओं और 1 महानगर पालिका के लिए कुल 42.73 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना के कार्यों के लिए एक ही दिन में सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने इन नगरों में आगामी 30 वर्ष यानी 2051-52 तक की आबादी की पानी की जरूरतों के अनुमान के आधार पर शहरी विकास विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए इन योजनाओं के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। भूपेंद्र पटेल द्वारा शहरी विकास विभाग के मार्फत मिले विभिन्न जलापूर्ति कार्यों के प्रस्ताव को मंजूरी देने से अब इन नगर पालिकाओं में फिल्टर प्लांट, भूमिगत संप, ग्रेविटी मेन, राइजिंग मेन, पंपिंग मशीनरी, पंप रूम और नल कनेक्शन जैसे जलापूर्ति के विभिन्न कार्य संबंधित नगर पालिकाएं शुरू करेंगी। स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने 3 नगर पालिकाओं एवं 1 महानगर पालिका के लिए कुल मिलाकर 42.73 करोड़ रुपए जलापूर्ति योजना के कार्यों के लिए आवंटित करने की मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत झालोद नगर पालिका के लिए 14.16 करोड़ रुपए, चलाला के लिए 3.40 करोड़ रुपए और माणसा नगर पालिका के लिए 4.32 करोड़ रुपए तथा जूनागढ़ महानगर पालिका के जोन 3 के लिए 20.85 करोड़ रुपए की रकम का समावेश होता है। नगरों एवं महानगरों में रहने वाले नागरिकों को नियमित रूप से और पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ 'नल से जल' के अंतर्गत राज्य की इन 3 नगर पालिकाओं सहित कुल 57 नगर पालिकाओं के लिए अब तक स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत 766 करोड़ रुपए जलापूर्ति के विभिन्न कार्यों के लिए राज्य सरकार ने मंजूर किए हैं।

# मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया राधनपुर में निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का दौरा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को राधनपुर में जलापूर्ति विभाग की राधनपुर समूह योजना के अंतर्गत 60 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का दौरा किया। उन्होंने नर्मदा केनाल आधारिक बी.के.3 (पी-2) समूह योजना के अंतर्गत तैयार किए जा रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी), आसीसी और संप सहित अन्य व्यवस्थाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा कर जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। फिल्ट्रेशन प्लांट की साइट पर जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों ने श्री पटेल को नक्शे और आंकड़ों की दृष्टि से कार्य प्रगति की ब्यौरा दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने निर्माणाधीन फिल्ट्रेशन प्लांट का निरीक्षण कर और अधिक जानकारी हासिल करने के साथ ही कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने का अनुरोध किया। राधनपुर में 77.77 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रही राधनपुर और सांतलपुर समूह जलापूर्ति योजना की राधनपुर समूह योजना से तहसील के 65 गांव, 02 परा यानी उपनगरीय क्षेत्र और राधनपुर शहर के कुल मिलाकर 1.74 लाख नागरिकों को पाइपलाइन के माध्यम से समय पर और पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। वर्ष 2020 में 19.49 एमएलडी क्षमता में बढ़ोतरी कर वर्ष 2050 तक 32.84 एमएलडी तक पहुंचाने का आयोजन है। कुल 251.05 किमी लंबी पाइपलाइन में से 315 मिमी से 90 मिमी व्यास वाली 213.30 किमी लंबी डिस्ट्रिब्यूशन पाइपलाइन तथा 600 मिमी से 250 मिमी व्यास वाली डी.आई.के. 37.75 किमी की राइजिंग मेन पाइपलाइन के नेटवर्क के मार्फत जल वितरण की इस व्यवस्था का अभी 74 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है और आगामी अगस्त महीने तक इसे पूर्णतः कार्यान्वित कर दिया जाएगा। बी.के.3 (पी-2) समूह योजना के अंतर्गत राधनपुर और सांतलपुर तहसील के लिए 100 लाख लीटर, राधनपुर शहर के लिए 50 लाख लीटर के अलावा धरवडी हेडवर्क्स में 05 लाख लीटर तथा गोतरका में 07.50 लाख लीटर क्षमता के भूगर्भ संप तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, धरवडी, सातुन, गोतरका और दैसर हेडवर्क्स में क्रमशः 2.5 लाख लीटर, 3 लाख लीटर, 3 लाख लीटर तथा 5 लाख लीटर की संग्रहण क्षमता वाली 20 मीटर ऊंची टंकियां भी तैयार की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि अभी राधनपुर तहसील के इन गांवों में पाताल कुआं आधारित जलापूर्ति की जा रही है। परन्तु इस पानी में फ्लोराइड, नाइट्रेट तथा टीडीएस की मात्रा अधिक होने के कारण पानी पीने के लायक नहीं रहा। इस समस्या के स्थायी हल के लिए राज्य सरकार ने नर्मदा केनाल आधारित बी.के.3 (पी-2) समूह जलापूर्ति योजना मंजूर की गई थी। वर्तमान में राणकपुर स्थित 50 एमएलडी क्षमता के शुद्धिकरण प्लांट में पानी को शुद्ध करने के बाद पहुंचाया जाता है। इस योजना के तहत सातुन में नया 60 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट लगाकर राधनपुर तहसील के गांवों तथा राधनपुर शहर को सरकार के प्रचलित मानदंडों के अनुसार नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति करने का आयोजन किया गया है।

## अहमदाबाद मण्डल के रेलवे ऑफिसर्स क्लब गांधीग्राम में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद द्वारा रेलवे ऑफिसर्स क्लब गांधीग्राम में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद (ँ) की अध्यक्षा श्रीमति गीतिका जैन ने रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चों के लिए मण्डल पर पहली बार जोश-2022 खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। श्रीमति जैन ने बताया कि विगत 2 वर्षों से कोविड-19 के कारण बच्चे न सही से स्कूल जा पा रहे हैं और न ही खेलकूदों में भाग ले पा रहे हैं। इतने समय से बच्चे खेलों से लगभग दूर ही रहे हैं। बच्चों को पुनः खेलकूद के प्रति जागरूक करने, स्वस्थ एवं एक्टिव रखने के उद्देश्य से इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें 6 वर्ष से 17 वर्ष तक के 315 बच्चों का नामांकन हुआ है। कोरोना काल मे बच्चों की आउट डोर एक्टिविटी बंद होने के कारण इस प्रतियोगिता के लिये बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस,कैरम, दौड़, लॉन्ग जंप, बनाना दौड़, नींबू दौड़ तथा बौरा दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों को खेलने से न रोके, उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित करें।

## गुजरात में कोरोना के 377 नए मरीज, 9 की मौत, 1148 लोगों को डिस्चार्ज किया गया

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना की सांसें उखड़ने लगी हैं कोरोना के दैनिक मामलों में लगातार कमी आ रही हैं आज राज्यभर में कोरोना के 377 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 1148 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया अब तक कुल 1204656 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं राज्य मां कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.70 प्रतिशत पर पहुंच गया हैं राज्य में फिलहाल कोरोना के 5010 एक्टिव केस हैं जिसमें 41 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 4969 नागरिक स्टेबल हैं रविवार को वडोदरा कॉर्पोरेशन में 4, देवभूमि द्वारका में 2, वडोदरा में 1, सूरत में 1 और भावनगर कॉर्पोरेशन में 1 समेत 9 मरीजों की मौत हो गई इसी के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10896 पर पहुंच गया हैं पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 131 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए जबकि 5 महानगर और 27 जिलों में कोरोना के 1 से 44 केस दर्ज हुए जबकि 2 महानगर और 6 जिलों में कोरोना का एक भी मामला सामने नहीं आया जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं हैं दूसरी ओर राज्य में वैक्सीनेशन भी मजबूती के साथ चल रहा हैं इसके अंतर्गत आज 8 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 44 को दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 1457 को पहला और 3617 को कोरोना का दूसरा टीका दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 5540 को पहला और 17179 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 2385 किशोरों को पहली और 9080 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई इसके अलावा 5187 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया इसी के साथ राज्य में वैक्सीनेट नागरिकों की संख्या 102128900 हो गई हैं

## ऐतिहासिक नजराना है राणकी वाव, हुए भारत की भव्य विरासत के दर्शनः मुख्यमंत्री

- विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल पाटण स्थित 'राणकी वाव' का भूपेंद्र पटेल ने किया दौरा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट) में शामिल पाटण स्थित 'राणकी वाव' यानी रानी की वाव (रानी की बावड़ी) का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल में स्थान प्राप्त विश्व विरासत पाटण स्थित रानी की वाव के दौरे से पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विश्व धरोहर स्थल की सूची में हाल ही में स्थान बनाने वाले कच्छ के धोलावीरा का भी गत सप्ताह दौरा किया था। भूपेंद्र पटेल ने रानी की वाव के भव्य ऐतिहासिक विरासत की तारीफ करते हुए आगंतुक पुस्तिका में लिखा, ''आज ऐतिहासिक नजराना पाटण की रानी की वाव को देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।'' भारत की प्राचीन भव्यता को देखकर उन्होंने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से यूनेस्को ने रानी की वाव को वैश्विक धरोहर का दर्जा दिया है, यह हम सभी के लिए आनंद और गौरव की बात है। उन्होंने कामना की कि आने वाले दिनों में ऐसे विरासत स्थलों के उचित मान-सम्मान से श्री नरेन्द्रभाई के नेतृत्व में दिव्य और भव्य भारत का निर्माण होगा।

## और दो ११९ मीटर की ऊंचाई वाली इमारत के प्लान को मंजूरी

अहमदाबाद, २० फरवरी।

आने वाले समय में अहमदाबाद की सुरत पूरी तरह से बदलने की संभावना है। शहर में एक के बाद एक गगनचुंबी इमारतों के प्लान को मंजूरी मिल रही है। कुछ महीने पहले शहर के रिवरफ्रंट पर दो गगनचुंबी इमारतों के प्लान को मंजूरी मिलने के बाद साइंस सिटी क्षेत्र में भी तीन गगनचुंबी इमारत कुछ दिन पहले राज्य सरकार तरफ से मंजूरी मिल गई है। अब अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर के बोपल-आंबली रोड और शीलज में दो बिल्डिंग जिसकी ऊंचाई करीब ११९ मीटर है इसके प्लान को मंजूरी दी है। यह प्लान की फाइल को आगे के स्टेज की मंजूरी के लिए राज्य के शहरी विकास विभाग से भेज दिया गया है। यह दोनों अलग-अलग रेसिडेन्शियल प्रॉजेक्ट में एक एक टावर बनेगा जिसकी ऊंचाई ११९ मीटर जितनी होगी। अब गोता क्षेत्र में गगनचुंबी इमारत के लिए तीसरी प्रपोजल अभी भी अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा अभी मंजूरी मिलने की प्रक्रिया के तहत है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सुत्रों के बताये अनुसार मंजूरी मिले यह दोनों प्रॉजेक्ट क्रमश ५००० और ४८०० स्केवयर मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एक उच्च अधिकारी के बताये अनुसार राज्य सरकार द्वारा हाल में मंजूर किए गये साइंस सिटी रेडिडेन्शियल प्रॉजेक्ट में तीन टावर है और यह प्रॉजेक्ट ११,००० स्केवयर मीटर में फैला हुआ है। साइंस सिटी प्रॉजेक्ट में ३५०० वर्ग फीट, ४५०० वर्ग फीट और ५५०० वर्ग फीट कार्पेट एरिया के तीन और चार अपार्टमेंट शामिल है। इसके साथ उन्होंने बताया है कि, बोपल-आंबली और शीलज प्रॉजेक्ट में परिसर के आसपास ४० फीट का आंतरिक रोड और मार्जिन स्पेस होगा। गत वर्ष में जून और सितंबर के बीच साबरमती रिवरफ्रंट पर ९२.४ मीटर की तीन इमारतों को मंजूरी दी गई थी।

## रेलवे कर्मचारियों की समय संकेतक से दुर्घटना को टाला जा सका

भावनगर, २० फरवरी।

भावनगर से ओखा जाने के लिए शनिवार की रात को १०.१५ बजे रेलवे टर्मिनल से रवाना होती भावनगर -ओखा ट्रेन बड़ी दुर्घटना से बच गई थी। रेलवे कर्मचारियों को मिली जानकारी के आधार पर ट्रेन को धोला -सणोसरा रेलवे ट्रैक पर ही रोक लिया जिसकी वजह से हजारों यात्रियों की जान बच गई है। रेलवे कर्मचारियों को सणोसरा-धोला रेलवे ट्रैक पर वहां से गुजरती धोला-पीपवाव ओएचई इलेक्ट्रिक ट्रेन लाइन का जिंदा वायर टूटकर ट्रैक पर गिरा होने की जानकारी मिलने पर ट्रेन के पायलोट को जानकारी दी गई थी। जिसकी वजह से समय संकेतक इस्तेमाल करके ट्रेन को सणोसरा निकट रोक दिया गया था। भावनगर-ओखा जाने के लिए रात को १०.१५ बजे भावनगर टर्मिनस से रवाना होकर रात को ११.१५ आसपास यह ट्रेन धोला पहुंचती है। लेकिन ट्रेन के ट्रैक पर जिंदा वायर गिरे होने की जानकारी रेलवे कर्मचारियों को निश्चित जानकारी मिलने पर ट्रेन धोला पहुंचे इसके पहले ही समय संकेतक इस्तेमाल करके ट्रेन को सणोसरा निकट रोक लिया गया था। जिसकी वजह से हजारों यात्रियों की जान बच गई है। ट्रैक पर जिंदा वायर गिरे होने की जानकारी नहीं मिलती तो ट्रेन वहां से गुजरती तो और सबसे बड़ी दुर्घटना हो जाती। जिसकी वजह से ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों की जान भी चली जाती। लेकिन रेलवे कर्मचारियों की सावधानी की वजह से यह दुर्घटना होने से रुक गई थी। धोला तक इलेक्ट्रिक ट्रैक तैयार हो गया है जिसे भावनगर टर्मिनस तक बढ़ाने का कामकाज चालू है। जबकि धोला से पीपावाव तक इलेक्ट्रिक ट्रैक तैयार है, जिसकी वजह से यह लाइन कार्यरत है। इलेक्ट्रिक ट्रेन को चलाने के लिए २५ हजार मेगा वाट के पावर की जरूरत होती है। धोला-पीपवाव इलेक्ट्रिक ट्रेन लाइन का जो जिंदा वायर टूट कर गिरा यह अन्य ट्रेन के संपर्क में आये तो २५ हजार मेगावाट का झटका लग सकता है।

## हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन बहाल,

हिसार और जोधपुर के बीच आंशिक रूप से रहेगी निरस्त

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड-जोधपुर सेक्शन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण सिकंदराबाद-हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन प्रभावित रहेगी। जो इस प्रकार हैः

1. दिनांक 22 फरवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22737 सिकंदराबाद-हिसार एक्सप्रेस ट्रेन को बहाल कर दिया गया है। अब यह ट्रेन जोधपुर और हिसार के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2. दिनांक 20 और 25 फरवरी 2022 की ट्रेन संख्या 22738 हिसार-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन को बहाल कर दिया गया है। अब यह ट्रेन हिसार और जोधपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

यात्री ट्रेनों के ठहराव और संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए **www.enquiry.iâianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# मंगलवार को भाजपा में शामिल होंगे जयराजसिंह, कांग्रेस को बताया माल बगैर का शो रूम

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार आगामी मंगलवार को भाजपा में शामिल हो जाएंगे हाल ही में पार्टी से इस्तीफा देनेवाले जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस को बगैर माल का शो रूम बताया जारी वर्ष के अंत में होनेवाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस में टूट का सिलसिला शुरू हो गया हैं गत बुधवार को मेहसाणा जिले के 200 जितने नेता और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा जॉइन कर ली थी दूसरे दिन गुरुवार को गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया कांग्रेस में गुटबंदी का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ने वाले जयराजसिंह परमार आगामी मंगलवार को भाजपा में शामिल हो जाएंगे परमार ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी भाजपा में शामिल होने की जानकारी देने के बाद जयराजसिंह ने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए परमार ने कहा कि मैं नई पारी जरूर शुरू करने जा रहा हूं, लेकिन पुरानी यादें दिल में बरकरार रहेंगी कांग्रेस के लाखों लोग जब यह कहते हैं कि जयराजसिंह गए, तो काफी दुःख होता हैं ऐसे सभी लोगों से माफी मांगना चाहता हूं जयराजसिंह परमार ने कहा कि कांग्रेस में रहते हुए मैं लोगों के दिलों तक पहुंचा, परंतु बड़े नेताओं के साथ रहने के बावजूद मेरे साथ केवल सेल्फी ली जाती थी कांग्रेस केवल 5 लोगों की पार्टी है और ये 5 लोग समितियां बनाकर खुद ही उसमें बैठ जाते हैं कांग्रेस को केवल नकारात्मक वोट चाहिए, उसका अपना कोई विजन नहीं हैं फिलहाल कांग्रेस की स्थिति माल बगैर के शो रूम जैसी हो गई हैं आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अगर एक भी सीट नहीं जीतती है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा उन्होंने कहा कि मेरे पास 3 वर्ष से कोई काम नहीं है और कांग्रेस नेतृत्व के पास कोई समझ नहीं हैं जिन लोग राजनीति की एबीसीडी नहीं जाते हैं, ऐसे लोग पार्टी में बैठे हैं कांग्रेस में मुझे उचित सम्मान नहीं मिला जबकि गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने मान-सम्मान दिया हैं अब लोग जयराजसिंह का नया अंदाज देखेंगे

## मानव तस्करी से लोगों को विदेश भेजते एजेंटों को काबू में लिया जाएगा

अहमदाबाद, २० फरवरी।

पुलिस महानिर्देशक आशिष भाटिया ने सीआईडी क्राइम के प्रमुख को पासपोर्ट और गैरकानूनी इमिग्रेशन संबंधित क्राइम को संभालने के लिए नोडल ऑफिसर के तौर पर नियुक्त किया है। राज्य के पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ की बैठक में भाटिया ने बताया है कि, नोडल ऑफिसर पूरे राज्य में ऐसे अपराधों की जिम्मेदारी संभालेगा जिसमें अहमदाबाद शहर और मेहसाणा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अहमदाबाद और मेहसाणा के अधिकारियों को ज्यादा सतर्क रहने और गैरककानूनी इमिग्रेशन और फर्जी पासपोर्ट में शामिल एजेंटों पर नजर रखने की सूचना दी गई थी। इस बैठक में अहमदाबाद शहर और मेहसाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मानव तस्करी विरोधी इकाई, इंटेलिजन्स ब्युरो और अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाजरी दी थी। इस बैठक में डीजीपी द्वारा अधिकारियों को डोगी एजेंटों द्वारा अपनाई जाती मोडस ऑपरेंडी का अध्ययन करने के लिए सूचना दी थी। इसके साथ ही डीजीपी भाटिया ने नागरिकों का शोषण करते ऐसे एजेंटों से सावधान रहने के लिए नागरिकों को अनुरोध किया गया और किसी लालच में नहीं फंसने के लि सावधान रहने के लिए कहा गया है। पिछले कई महीनों में ऐसे मामले सामने आये है कि लोगों को मेक्सिको या कनाडा द्वारा गैरकानूनी तरीके से यूएस भेजा गया हो। कनाडा- यूएस बॉर्डर पर मेहसाणा के एक परिवार के फिलहाल की मौत में कबूतरबाजी मामले में जैसे ऐसे केस का पिटारा खोला हो इस तरह एक के बाद एक कई केस दर्ज हो रहे हैं। इसके अलावा गांधीनगर पुलिस ने गत सप्ताह में दिल्ली में एक मिशन को पूरा किया था। जिसमें उन्होंने करीब १५ लोगों को बचाया था जिनको ट्रावेल एजेंटों द्वारा करीब चार महीने से बंधक बनाकर रखा गया था। इस तरीके से लोगों के एक अन्य गुट को कोलकात्ता से भी मुक्त कराया गया था।

## अनियंत्रित ट्रक दो कारों को टक्कर मारकर होटल में घुसा, एक व्यक्ति की मौत, 2 जखमी

बनासकांठा (ईएमएस) पालनपुर में आरटीओ चौराहे के निकट एक बेलगाम ट्रक दो कारों को टक्कर मारते हुए होटल में घुस गया इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो शख्स घायल हो गए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पालनपुर आरटीओ सर्किल के पास राजस्थान से तेज गति से आ रहे ट्रक चालक का स्टीयरींग से काबू हट जाने पर ट्रक होटल के पास खडी दो का को अपनी चपेट में ले लिया ट्रिक ने दोनों कार को कुचलते हुए होटल में घुस गई इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई जबिक दो लोग जख्मी हो गए दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया इस हादसे में होटल को काफी नुकसान पहुंचा हैं दुर्घटना की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो हो गई हैं सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे पूर्व भी इस होटल में दो बार ट्रक घुसने की यह तीसरी घटना सामने आई हैं गौरतलब है कि बनासकांठा

जिले में लगातार दुर्घटना की घटनाएं सामने आ रही हैं पालनपुर आबु हाईवे पर बालाराम पुल पर आलू से भरा ट्रक व सिमेन्ट से लदे डम्पर के बीच टक्कर हुई थी जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया

तलाटी की नौकरी लेने के लिए लाइनें लगी

## ३४३७ जगह के लिए लाखों उम्मीदवारों ने अर्जी की

अहमदाबाद, २० फरवरी।

सरकारी नौकरी किसको अच्छा नहीं लगे। इसमें भी जबकि सरकारी नौकरी में जब जब भर्ती आती है तब उम्मीदवारों की लाइनें लग जाती है। कुछ गिनती की जगहों के लिए लाखों उम्मीदवार फॉर्म भरते हैं। तब गुजरात में तलाटी की भर्ती के लिए उम्मीदवारों की भारी भीड़ लग गई है। वर्ग-३ की सरकारी नौकरी के लिए रिकॉर्ड ब्रेक फॉर्म भरे गये हैं। पंचायत सेवा पसंदगी बोर्ड की ग्राम पंचायत सेक्रेटरी-तलाटी कम मंत्री की ३ हजार ४३७ जगह के लिए लाखों उम्मीदवारों ने अर्जी की है। फॉर्म भरने के दिन के अंत में तलाटी के लिए कुल २३.२३ लाख फॉर्म ऑनलाइन रजिस्टर्ड हुए हैं। वर्ग -३ की सरकारी जगह के लिए अभी तक की सबसे ज्यादा अर्जियां यह तलाटी की भर्ती के लिए मिले हैं। यह २३.२३ लाख फॉर्म में से कुल १८.२१ लाख फॉर्म कन्फर्म हुए हैं साढ़े ३ हजार जगह के सामने २३ लाख से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में उतर गये हैं। तलाटी की भर्ती के लिए सर्वर की समस्या पैदा होने पर और दो दिन का समय देने के बाद १७ फरवरी तक ऑनलाइन फॉर्म कबूल किया गया था। इसके बाद डुप्लीकेशन और अपर्याप्त जानकारी के साथ फॉर्म रद्द हुआ था। जिसके बाद फाइनल १८.२१ लाख उम्मीदवारों के फॉर्म कन्फर्म किया गया है।

महत्वपूर्ण है कि, कक्षा-१२ की शैक्षणिक योग्यता और ऊपरी सीमा में तीन वर्ष बढ़ाने की वजह से लाखों उम्मीदवारों ने अर्जी की है। अब १८.२१ लाख उम्मीदवार के सामने सिर्फ ३ हजार ४३७ जगह खाली है। यानी कि तलाटी की एक जगह के लिए ५३० उम्मीदवारों के बीच स्पर्धा होगी। आपको बता दे कि २३.२३ लाख अर्जीकर्ता में ३ लाख उम्मीदवार जनरल केटेगरी के है। उनके पास से १०० रुपया फॉर्म के तहत लिया जाता पंचायत सेवा पसंदगी बोर्ड को कुल तीन करोड़ रुपये की आय हुई है।

रावपुरा पुलिस स्टेशन के कर्मचारी सस्पेंड

## बुटलेगर को बचाने के आरोप में ५ कर्मचारी सस्पेंड

वडोदरा, २० फरवरी।

फिर एक बार वडोदरा पुलिस का विवाद सामने आया है। जिसके बाद पुलिस कमिश्नर द्वारा महत्व की कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस कमिश्नर ने वडोदरा के रावपुरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते पांच पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है। बुटलेगर को बचाने के आरोप में यह पांच पुलिस कर्मचारी पर यह कार्रवाई की गई है। रावपुरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते २स्ढ और ३ कॉन्स्टेबल को सस्पेंड किए जाने का रिपोर्ट सामने आया है। बुटलेगर को बचाने के आरोप में गुप्त जांच शुरू करने के बाद यह कार्रवाई की गई है। महत्वपूर्ण है कि, पहले कारेलीबाग पुलिस स्टेशन के तीन पीएसआई और ८७ पुलिसकर्मी का तबादला किया गया था। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, वडोदरा पुलिस कमिश्नर ने सख्त रवैया अपनाकर पांचों पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड किया है। रावपुरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते पांच पुलिस कर्मचारियों को पुलिस कमिश्नर ने सस्पेंड किया है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि, बुटलेगर को बचाने के आरोप में गुप्त जांच शुरू की गई थी। जिसमें यह पांच पुलिसकर्मी दोषी मालूम होने पर पुलिस कमिश्नर ने यह महत्व का निर्णय लिया है। जिसमें रावपुरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करते २स्ढ और ३ कॉन्स्टेबल को सस्पेंड किए जाने का रिपोर्ट सामने आया है। यह पांच पुलिस कर्मचारी पर बुटलेगर को बचाने का आरोप है। महत्व का है कि, इसके पहले कारेलीबाग पुलिस स्टेशन के ३ पीएसआई और ८७ पुलिस कर्मचारियों का तबादला किया गया। तब रावपुरा पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है यह मामले सामने आने पर पुलिस विभाग में खलबली मच गई है। पांच पुलिस कर्मचारियों को सस्पेंड किए जाने की बात सामने आने से अन्य पुलिस कर्मचारियों में दहशत फैल गई है। हालांकि, पुलिस कमिश्नर ने यह मामले में गुप्त जांच करने के बाद यह निर्णय लिया था।

## हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए यूके हेल्थ